जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, गुरुवार 5 जून , 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

वंदे गंगा
जल संरक्षण जन अभियान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

वंदे गंगा

जल संरक्षण - जन अभियान

5 जून से 20 जून, 2025

का

शुभारम्भ

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

5 जून, 2025

दोपहर 2:00 बजे | केशोरायपाटन, बूंदी

चंबल तट पर पूजन
चुनरी महोत्सव
जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण

सायं 4:30 बजे | भरतपुर

गंगा माँ की महाआरती
गंगाजल और तुलसी पौधा वितरण
सुजानगंगा पर दीपदान

राजस्थान संवाद

अभियान के प्रमुख उद्देश्य

- जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार
- जल प्रदूषण में कमी
- पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता
- भूजल पुनर्भरण
- व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग
- हरियाळो राजस्थान की तैयारी

पाणी रो मान राखो
जीवण रो ध्यान राखो

वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान

से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड को स्कैन कर
आसान से 5 सवालों का जवाब देकर प्रमाण-पत्र प्राप्त करें
एवं अभियान में योगदान दें

जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

मानव नक़ल करने वाला प्राणी है और जो सबसे आगे रहता है वो नेतृत्व करता है। –शिलर

भारत : ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की चुनौती और गहरी

ऑपरेशन सिंदूर, जिसे भारत ने मई 2025 में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए शुरू किया था, ने न केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया, बल्कि क्षेत्रीय भू-राजनीति में चीन की भूमिका को भी अधिक गहराई से उजागर कर दिया। यह ऑपरेशन, जिसे भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया, एक सैन्य कार्रवाई से कहीं अधिक था। यह भारत की बदलती रणनीति, क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करने की कोशिश का प्रतीक था। लेकिन इस ऑपरेशन के बाद जो परिदृश्य उभरा, उसने भारत के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दीं, खास तौर पर चीन के बढ़ते प्रभाव और उसकी रणनीतिक चालों के कारण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान परोक्ष रूप से चीनी सामान के बहिष्कार का आव्हान किया, जिसने भारत-चीन संबंधों को और जटिल बना दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई 2025 को हुई, जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस कार्रवाई ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य और आतंकी ढांचे को गहरी चोट पहुंचाई, बल्कि चीन के लिए भी एक अप्रत्यक्ष चुनौती बन गई। ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए चीनी हथियार, जैसे कि जे-10सी फाइटर जेट्स, एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, और पीएल-15 मिसाइलें, भारतीय हमलों के सामने नाकाम साबित हुए। इसने न केवल पाकिस्तान की सैन्य क्षमता पर सवाल उठाए, बल्कि चीन के हथियारों की विश्वसनीयता को भी वैश्विक मंच पर कठघरे में खड़ा कर दिया। विशेषज्ञों ने इसे चीन के लिए एक बड़ा झटका माना, क्योंकि 2020 से 2024 तक पाकिस्तान को चीन से 81% हथियारों की आपूर्ति हुई थी, और ऑपरेशन सिंदूर ने इन हथियारों की कमजोरियों को उजागर कर दिया। चीनी रक्षा कंपनियों, जैसे कि चेंगदू एयरक्राफ्ट, के शेयरों में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो इस बात का संकेत था कि वैश्विक रक्षा बाजार में चीन की साख को गहरा नुकसान पहुंचा है। इस सैन्य असफलता ने चीन को रणनीतिक रूप से और सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया।

21 मई 2025 को बीजिंग में हुई एक त्रिपक्षीय बैठक में चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तार देने पर सहमति जताई। यह कदम भारत के लिए एक नई सामरिक चुनौती के रूप में उभरा। सीपीईसी का विस्तार न केवल पाकिस्तान को आर्थिक और सैन्य रूप से मजबूत करने की कोशिश है, बल्कि यह भारत को दक्षिण एशिया में घेरने की चीन की रणनीति का हिस्सा भी है। इस बैठक में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी, और तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी शामिल थे। यह स्पष्ट संकेत था कि चीन न केवल पाकिस्तान को बल्कि तालिबान शासित अफगानिस्तान को भी अपने प्रभाव क्षेत्र में लाने की कोशिश कर रहा है। चीन की यह रणनीति भारत के लिए कई मोर्चों पर खतरा पैदा करती है। सबसे पहले, चीन ने पाकिस्तान को उन्नत हथियारों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति बढ़ा दी है।

सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने चीन और तुर्क से हथियारों की एक नई खेप की सूची तैयार की है, जिसमें ग्राउंड-बेस्ड लॉन्चर, 30 विंग लूंग ड्रोन, और सर्विलांस सिस्टम शामिल हैं। ये ड्रोन, जिन्हें 'चाइनीज किलर ड्रोन' के नाम से जाना जाता है, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में तैनात किए जाने की योजना है। इसके अलावा, पाकिस्तान अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने में भी तेजी ला रहा है, जिसमें चीन का प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन शामिल है। अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों और कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम को सुरक्षित रखने के साथ-साथ सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) के लिए सामान विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, मुख्य रूप से चीन, से खरीद रहा है। यह सामान हांगकांग, सिंगापुर, तुर्की और यूएई के रास्ते पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा है। चीन की सहायता केवल हथियारों तक सीमित नहीं है। वह पाकिस्तान को आर्थिक और जल संसाधनों के क्षेत्र में भी समर्थन दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के उल्लंघन की धमकी दी थी, जिसके तहत भारत पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति कम कर सकता है। जवाब में, चीन ने सतलज नदी की धारा को मोड़कर पाकिस्तान को जल संसाधनों की कमी से बचाने की कोशिश शुरू कर दी है, इतना ही नहीं चीन ने सीधे-सीधे भारत को ब्रह्म पुत्र नदी हेतु चीन से मिलने वाले पानी के विषय में भी चेतावनी दे दी है। अर्थात यदि भारत सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के लिए रोकेगा तो भारत आगामी खतरे के लिए तैयार रहे। यह कदम न केवल भारत की रणनीति को चुनौती देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि चीन क्षेत्रीय जल संकट को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।

सतलज नदी का पानी तिब्बत से निकलता है, और चीन ने बिना कोई आधिकारिक बयान दिए इस नदी के प्रवाह को नियंत्रित करने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि जल संसाधन दक्षिण एशिया में रणनीतिक और आर्थिक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चीन की ये चालें केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं हैं। वह भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। अमेरिकी डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब चीन को अपना प्राथमिक सामरिक प्रतिद्वंद्वी मानता है, जबकि पाकिस्तान को एक ऐसी समस्या के रूप में देखता है जिसे प्रबंधित किया जा सकता है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच तनाव बना हुआ है। हालांकि अक्टूबर 2024 में दोनों देशों ने दो विवादित क्षेत्रों से सैनिकों को पीछे हटाने पर सहमति जताई, लेकिन सीमा विवाद अब भी अनसुलझा है। चीन ने लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई है और बुनियादी ढांचे का विकास तेज कर दिया है। इसके अलावा, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में चीन की आर्थिक और सैन्य साझेदारी भारत के लिए एक रणनीतिक घेराबंदी का हिस्सा है।

चीन की सैन्य, आर्थिक और जल संसाधनों की रणनीति भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पेश करती है। अगर भारत को इन चुनौतियों का सामना करना है, तो उसे अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना होगा, सैन्य आधुनिकीकरण को और तेज करना होगा, और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा।

बांग्लादेश द्वारा हाल ही में चीनी कंपनी से जमीन से हवा में मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें खरीदने की खबरें भी भारत के लिए चिंता का विषय हैं। इन सबके बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीनी सामान के बहिष्कार का परोक्ष आव्हान भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को और जटिल करता है। हाल के दिनों में, विशेष रूप से सोशल मीडिया पर, कई पोस्ट्स में दावा किया गया कि मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि "विदेशी और चाइनीज चीजों का बहिष्कार हो, देश के व्यापारी विदेशी सामान नहीं बेचेंगे, देश के नागरिक विदेशी सामान नहीं खरीदेंगे।" यह आव्हान ऑपरेशन सिंदूर को जनबल से जीतने की भावना से जोड़ा गया है। हालांकि, यह नीति भारत की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल नहीं बिठाती। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 99 बिलियन डॉलर से अधिक है, और कई महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे कि रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, और इलेक्ट्रॉनिक्स चीनी आयात पर निर्भर हैं। 2024 में भारत-चीन व्यापार 118 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अमेरिका के साथ भारत के 140 बिलियन डॉलर के व्यापार के करीब है।

चीनी झालर, होली के रंग, या मूर्तियों जैसे छोटे सामानों का बहिष्कार प्रतीकात्मक हो सकता है, लेकिन यह भारत की आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता को कम करने में ज्यादा प्रभावी नहीं होगा। इसके अलावा, चीनी सामान के बहिष्कार का आ ान भारत की घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। भारत ने हाल के वर्षों में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने की कोशिश की है, लेकिन प्रगति धीमी रही है। रसायनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और भारी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारत अभी भी आयात पर निर्भर है। अगर भारत को चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी है, तो उसे दीर्घकालिक निवेश, अनुसंधान और विकास, और तकनीकी नवाचार में तेजी लानी होगी। लेकिन यह प्रक्रिया समय लेने वाली है, और तत्काल बहिष्कार का आव्हान अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिए, फार्मास्यूटिकल उद्योग में कच्चे माल का 60-70% हिस्सा चीन से आता है, और इसका विकल्प तुरंत खोजना असंभव है।

चीन की रणनीतिक चालों और भारत की आर्थिक निर्भरता के बीच भारत की स्थिति को लाचारी के रूप में देखा जा सकता है। चीनी सामान के बहिष्कार और लगातार चीन से बढ़ता आयात वैसा ही किस्सा है जैसे एकतरफ सरकार गुटखा तम्बाकू शराब पर जीएसटी लगाकर कमाई कर रही है दूसरी तरफ इनपर रोक के लिए विज्ञापन चलाती है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य ताकत और दृढ़ संकल्प को तो प्रदर्शित किया, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि चीन के साथ प्रत्यक्ष टकराव के लिए भारत को अभी और तैयारी की जरूरत है। सतलज नदी के प्रवाह को मोड़ने जैसे कदमों पर भारत का मौन रहना इस बात का संकेत है कि वह अभी पूरी तरह से चीन की चुनौतियों का जवाब देने की स्थिति में नहीं है। इसके अलावा, पाकिस्तान को परमाणु हथियारों और उन्नत तकनीक की आपूर्ति में चीन की भूमिका भारत के लिए एक दीर्घकालिक खतरा है। अगर पाकिस्तान अपनी परमाणु क्षमता को और बढ़ाता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक संतुलन को और जटिल कर देगा।इसके बावजूद, भारत ने कुछ क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत की है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया कि भारत अब परमाणु ब्लैकमेल को सहन नहीं करेगा।

12 मई 2025 को अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "सीमा पार आतंकवाद को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा, और पानी व खून एक साथ नहीं बह सकते।" यह बयान भारत की नई 'मोदी नीति' का हिस्सा है, जो आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और रणनीतिक जवाबी कार्रवाइयों पर जोर देती है। भारत ने अपनी सैन्य आधुनिकीकरण को भी तेज किया है, जिसमें अग्नि-आई प्राइम और अग्नि-वी मिसाइलों का परीक्षण और दूसरी परमाणु-संचालित पनडुब्बी को चालू करना शामिल है। इसके अलावा, भारत हिंद महासागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए अन्य देशों के साथ सैन्य और कूटनीतिक सहयोग बढ़ा रहा है। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद, चीन की रणनीतिक घेराबंदी और पाकिस्तान को उसका समर्थन भारत के लिए एक जटिल चुनौती बना हुआ है। चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी युद्धविराम की वकालत की है, लेकिन उसका रुख स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के पक्ष में झुका हुआ है। बीजिंग ने बार-बार भारत के हमलों की खबरों को दबाने की कोशिश की, जबकि पाकिस्तानी दावों को बढ़ावा दिया। यह कूटनीतिक दोहरापन भारत के लिए एक और चुनौती है, क्योंकि चीन एक ओर शांति की बात करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य और आर्थिक समर्थन देता है।

भारत की नीतिगत लाचारी का एक और पहलू यह है कि वह चीन के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को पूरी तरह से तोड़ नहीं सकता। रूस के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध और आर्थिक हित इसे चीन के खिलाफ एकतरफा रुख अपनाने से रोकते हैं। डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2025 में भी रूस के साथ अपने संबंधों को बनाए रखेगा, क्योंकि यह अपने रक्षा और आर्थिक उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। यह स्थिति भारत को एक जटिल भू-राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए मजबूर करती है, जहां उसे एक ओर चीन का मुकाबला करना है, तो दूसरी ओर रूस जैसे सहयोगियों के साथ संबंध बनाए रखना है। अंत में, ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य और कूटनीतिक ताकत को तो प्रदर्शित किया, लेकिन इसने चीन की रणनीतिक चालों और भारत की आर्थिक निर्भरता को भी उजागर कर दिया। चीनी सामान के बहिष्कार का आव्हान, हालांकि जनता में जोश भरने वाला हो सकता है, लेकिन यह भारत की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल नहीं बिठाता। चीन की सैन्य, आर्थिक और जल संसाधनों की रणनीति भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पेश करती है। अगर भारत को इन चुनौतियों का सामना करना है, तो उसे अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना होगा, सैन्य आधुनिकीकरण को और तेज करना होगा, और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा। लेकिन यह सब एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, और तब तक भारत को चीन की चालों और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखना होगा। ऑपरेशन सिंदूर ने एक नई शुरुआत की है, लेकिन यह शुरुआत भारत के लिए अवसरों के साथ-साथ नई चुनौतियां भी लाई है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षा विद और चिन्तक

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के लिए विशेष

वागड़ के नए भगीरथ बने के. के. गुप्ता

के.के. गुप्ता

डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के.के. गुप्ता ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिससे दक्षिणी राजस्थान का वागड क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बेजोड मॉडल बन कर उभरा है। उनके प्रयासों ने न केवल स्थानीय जल संकट कम हुआ है, बल्कि अन्य राज्य के नगर निकाय भी इससे प्रेरित हुए है। उनके नवाचार और समुदाय आधारित दृष्टिकोण ने जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों को एक नई दिशा दी है। उनके इन प्रयासों की न केवल स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रशंसा की है वरन् इसके लिए उन्हें वॉटर हीरो सहित अन्य कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय अवार्ड भी मिले है।

हाल ही के.के. गुप्ता की पहल पर डूंगरपुर जिला प्रशासन ने 100 तालाबों को गहरा कराने तथा उनकी साफ सफाई एवं सौन्दर्यकरण के काम हाथ में लिए गए है। भीषण गर्मी और मिट्टी भराव के कारण डूंगरपुर जिले में कई तालाब सूखने की कगार पर पहुँच गए थे, जिससे जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस समस्या के समाधान के लिए, जिला कलेक्टर ने तालाबों की गहराई बढाने और जल संचयन की क्षमता को सुधारने के लिए गंभीर प्रयास किए हैं। गुप्ता के इन प्रयासों के लिए स्थानीय नागरिक उन्हें वागड के नए भगीरथ की उपमा देने लगे है।

के.के. गुप्ता ने अपने नगर परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल में वर्षा जल संचयन में नवाचार कर कम लागत वाला रेनवाटर हार्वेस्टिंग मॉडल तैयार करने में सफलता हासिल की। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर में एक अभिनव वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की गई, जिसमें छतों से एकत्रित वर्षा जल को सीधे घरों के मौजूदा बोरवेल में भेजा गया। इस प्रणाली में पाइप के भीतर ही रेत फिल्टर और बैकवॉश की सुविधा शामिल की गई, जिससे जल शुद्धिकरण सुनिश्चित हुआ। डूंगरपुर के इस मॉडल की सफलता को देखते हुए, अन्य राज्य सरकारों ने भी इसे अपने प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया। गुप्ता ने वर्षा जल संचयन, पुराने तालाबों और जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, और जल संरक्षण के लिए विभिन्न पहलें शुरू कीं।

इसी प्रकार उनके गंभीर प्रयासों से डूंगरपुर नगर के पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार कर तालाबों और बावडियों का जीर्णोद्धार कराया गया। गुप्ता ने डूंगरपुर में पुराने तालाबों, बावडियों और जल स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया, जिससे वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में वृद्धि संभव हुई। स्थानीय ग्राम सभाओं और समुदायों के साथ मिलकर, गुप्ता ने सामुदायिक तालाबों का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट को कम किया जा सका।

उन्होंने ई-कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण, और कचरा प्रबंधन के लिए जागरूकता अभियान चला कर पर्यावरण संरक्षण में अभूतपूर्व योगदान किया।

के.के. गुप्ता ने जल संरक्षण के लिए नीतिगत पहल करते हुए बोरवेल के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य किया। गुप्ता ने प्रस्तावित किया कि जिन घरों में बोरवेल हैं, वहां वर्षा जल संचयन प्रणाली अनिवार्य होनी चाहिए, ताकि भूजल स्तर बनाए रखा जा सके। जल की बर्बादी रोकने के लिए, उन्होंने जल मीटर की अनिवार्यता और जल अपव्यय पर सख्त निगरानी की वकालत की। गुप्ता के इन सराहनीय प्रयासों से उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले है। गुप्ता को नीदरलैंड सरकार और फिनिश संस्था द्वारा 2019 में, ठोस कचरा प्रबंधन और स्वच्छता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही डूंगरपुर को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा एशिया और अफ्रीका के 16 शहरों में से एक के रूप में चुना गया, जहाँ स्वच्छता और कचरा प्रबंधन तकनीकों का मूल्यांकन किया गया। उनके प्रयासों को भारत सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा भी सराहा गया है तथा उन्हें राजस्थान की दो राज्य सरकारो द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी नियुक्त किया गया। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की समिति में भी सदस्य बनाया। इसके अलावा गुप्ता को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लिए राजस्थान का राज्य समन्वयक नियुक्त किया गया है। उन्हें मेरा युवा भारत पहल और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत स्वच्छता के लिए मानद संसाधन व्यक्ति के रूप में भी नियुक्त किया गया।

के.के. गुप्ता ने ऐतिहासिक नगर डूंगरपुर को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित किया है। उनके नेतृत्व और नवाचारों ने इस छोटे से शहर को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दिलाई हैं। के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर नगर को स्वच्छता में अग्रणी बनाना जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मन्त्रियों के हाथों उन्हें पुरस्कार सम्मान मिले। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर नगर परिषद ने तीन बार ओडीएफ प्लस और तीन बार ओडीएफ डबल प्लस का दर्जा प्राप्त किया। शहर को थ्री स्टार गार्बेज-फ्री सिटी का खिताब भी मिला, जो राजस्थान में किसी भी निकाय के लिए एक बडी उपलब्धि रही। गुप्ता ने डूंगरपुर में घर-घर कचरा संग्रहण, गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, और बायोगैस संयंत्र जैसे नवाचारों की शुरुआत की। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता आंदोलन से जोड़ने के लिए प्रोत्साहन योजनाएँ शुरू कीं, जैसे कि गंदी नालियों की तस्वीर भेजने पर इनाम देना आदि सफल प्रयोग भी किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डूंगरपुर की एक जनजातीय परिवार की कहानी का उल्लेख किया, जिन्होंने शौचालय निर्माण के लिए अपनी बकरियाँ बेचीं, इसे स्वच्छता के प्रति समर्पण की अनूठी मिसाल बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा अन्य विशिष्ट लोगों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से उनकी प्रशंसा की गई। के.के. गुप्ता के समर्पण और नवाचार डूंगरपुर को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद उदाहरण बनाया हैं। उनके प्रयासों ने न केवल डूंगरपुर देश विदेश में एक मॉडल शहर बन कर उभरा है, बल्कि अन्य शहरों के लिए भी पथ प्रदर्शक साबित हुआ है। के.के. गुप्ता डूंगरपुर, राजस्थान के एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी और राजनेता हैं। उनका जन्म 19 फरवरी 1962 को न्यायविद् स्व. मातादीन और संतोष देवी के घर हुआ था। कॉमर्स में स्नातक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने व्यापार में कदम रखा और बाद में कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। वे के.के. गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी, गुप्ता फीलिंग स्टेशन, गुप्ता ऋेशर कंपनी और उदयपुर में शहनाई वाटिका के मालिक हैं। के.के. गुप्ता का विवाह 27 नवंबर 1985 को सुशीला गुप्ता से हुआ। उनके दो पुत्र, अंकुर और अंकित, उनके व्यवसाय को संभाल रहे हैं। सुशीला गुप्ता भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं और कंपनी की निदेशक हैं।

गुप्ता पिछले तीन दशकों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने 2005 में डूंगरपुर नगर पालिका पार्षद के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की और उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य किया। 2010 में वे पुनः पार्षद चुने गए और उनके नेतृत्व में 9 निर्दलीय पार्षदों ने जीत हासिल की। वे डूंगरपुर जिले के सबसे बडे व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ कॉमर्स के लगातार आठ बार अध्यक्ष चुने गए हैं। गुप्ता स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राजस्थान प्रदेश समन्वयक ही नहीं बल्कि और उन्हें माननीय न्यायालयों द्वारा झुंझनु बांसवाडा, उदयपुर आदि जिलों के स्वच्छ न्याय मित्र के रूप में भी नियुक्त किया गया है। के.के. गुप्ता का जीवन सामाजिक सेवा, व्यापारिक नेतृत्व और राजनीतिक सक्रियता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनकी प्रतिबद्धता और योगदान ने डूंगरपुर को स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

–के.के. गुप्ता,
डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष

जल संरक्षण में उपयोगी साबित हो रहा फार्म पौंड एवं डिग्गी का उपयोग

भजनलाल सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी से कृषक लाभान्वित हो रहे हैं

नेमीचंद

जल के बिना किसी भी प्रकार के जीवन और वनस्पति की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वर्तमान समय में जल की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

अल्पवृष्टि और अनियमित मानसून के कारण किसानों को सिंचाई के लिए जल की भारी कमी का सामना करना पड़ता रहा है। इस स्थिति में जल संरक्षण आवश्यक हो गया है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए भजनलाल सरकार द्वारा 5 जून से 20 जून तक 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' चलाया जा रहा है।

सिंचाई की आवश्यकता को पूरा करने में फार्म पॉन्ड और डिग्गी उपयोगी सिद्ध हो रहे :- फार्म पॉण्ड एक कृत्रिम जलाशय है जिसे खेतों में वर्षा जल को एकत्र करने के लिए बनाया जाता है। यह एक गड्ढे के रूप में बनाया जाता है जिसे पॉलीथिन से लाइन किया जाता है ताकि जल का रिसाव न हो।

इसके पानी का उपयोग सिंचाई, पशुओं के लिए पानी, मछली पालन आदि के लिए किया जाता है। फार्म पौंड में वर्षा के जल को इकट्ठा कर जल की बर्बादी को रोका जाता है और सूखे के समय इसमें सिंचाई के लिए जल उपलब्ध रहता है। फार्म पौंड मछली पालन द्वारा अतिरिक्त आय का स्त्रोत भी बनता जा रहा है।

नहरी क्षेत्रों में पानी को इकट्ठा करने के लिए डिग्गी का उपयोग किया जाता है। जिसका निर्माण सीमेंट और ईंटों से किया जाता है। यह एक प्रकार की खुली टंकी होती है, जिसमें नहर या पाइप से जल लाकर एकत्र किया जाता है। राजस्थान जैसे सूखे या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में फार्म पौंड और डिग्गी से सिंचाई बहुत महत्वपूर्ण साधन है। इसके माध्यम से वर्षा जल को संग्रहित किया जा सकता है।

फार्म पौंड और डिग्गी जैसे जल संरक्षण उपाय आज की आवश्यकता है। यदि इन तकनीकों को व्यापक रूप से अपनाया जाए तो जल संकट की समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी का फायदा ले कर किसान इनका निर्माण तीव्रता से कर रहे हैं। हमें जल की महत्ता को समझते हुए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रह सके।

नेमीचंद,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी, सूचना एंव जनसंपर्क निदेशालय

अजमेर में बरसात होने से तापमान में गिरावट आई

गुरुवार व शुक्रवार को भी दोपहर बाद आंधी व बारिश की संभावना

अजमेर, (कासं)। पिछले तीन दिन से प्रदेश के तेज हवाओं के साथ बरसात का दौर बुधवार को भी जारी रहा। बुधवार सुबह 11 बजे करीब आधे घंटे तक हुई तेज बरसात से तापमान में गिरावट दर्ज हुई तो वहीं मौसम खुशनुमा हो गया। तेज बरसात से सड़कों पर पानी बह निकला। मार्टिंडल ब्रिज के पास सड़क पर पानी भर जाने से नाले का लेवल पता नहीं चलने पर बाइक सवार पिता-पुत्र बाइक सहित नाले में गिर पड़े। गनीमत यह रही कि मौके मौजूद दुकानदारों व स्थानीय लोगों ने दोनों को बचा लिया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में एक्टिव हुए सिस्टम के कारण गुरुवार व शुक्रवार को भी दोपहर बाद आंधी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। तापमान में आंशिक गिरावट हो सकती है। दोपहर में उमस का दौर जारी रहेगा। गत चार दिनों से तापमान में गिरावट जारी है। 1 जून को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री दर्ज किया गया था, जबकि 2 जून को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री और न्यूनतम 23.3 डिग्री रहा। 3 जून को अधिकतम 30.7 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री रिकॉर्ड रहा, तीन दिन दोपहर पारे में 6.3 डिग्री और रात के तापमान 5.6 डिग्री गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को भी दोपहर दो बजे तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया। अगले दिनों में हवाओं के साथ बरसात का दौरा रहेगा। बुधवार को सुबह दस बजे करीब आसमान में काले बादल छाए और करीब 11 बजे तेज हवाओं के साथ आधे घंटे जमकर बरसात हुई। बरसात के कारण सड़कों पर पानी भर गया और ऐसे में कई जगह सड़कें व नालों का पानी बराबर हो गया। राहगीरों व वाहन चालकों को वाहन चलाने में परेशानी हुई।

इंटर्न डॉक्टर्स को नहीं मिला वेतन

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान के सभी मेडिकल कॉलेज ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को पत्र लिखकर वेतन बढ़ाने और वेतन को मासिक रूप से देने की मांग की। वर्तमान में राजस्थान के इंटर्न डॉक्टर का वेतन 21 हजार है जो कि भारत के अन्य राज्य पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक एवं दिल्ली आदि से कम है। संपूर्ण राजस्थान इंटर्न डॉक्टर के अध्यक्ष डॉ. रजनीश जिन्जा ने बताया कि सरकार ने पिछले 5 वर्ष में फीस में 10 गुना से अधिक वृद्धि की है, लेकिन उसके अनुपात में इंटर्न डॉक्टर के वेतन नहीं बढ़ाया है। पाली में भी करीब 150 इंटर्न डॉक्टर्स को पिछले करीब 3 महीने से वेतन नहीं दिया गया है। ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राशिफल गुरूवार 5 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 6:34 तक, सिद्धि योग प्रातः 9:13 तक, तैतिल करण दिन 1:05 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज गंगा दशमी, गंगा दशहरा व्रत समाप्त होंगे। आज बटुक भैरव जयन्ती, श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, यात्रा, पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:18 तक, चर 10:43 से 12:25 तक, लाभ अमृत 12:25 से 3:49 तक, शुभ 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से बचना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 211 प्रभात हिण्डौन सिटी, गुरुवार 5 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष होंगे?

इस महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए बघेल ने अपनी वफादारी, प्रियंका गांधी खेमे से हटाकर, के.सी. वेणुगोपाल के खेमे से जोड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के अगले अध्यक्ष बनने की तैयारी कर रहे हैं। यह चौंकाने वाला घटनाक्रम इसलिए हो रहा है क्योंकि बघेल ने दीर्घगामी रणनीति बनाकर इस लक्ष्य को साधने की दिशा में काम किया है।

सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और ओबीसी (कुर्मी) नेता भूपेश बघेल अब प्रियंका गांधी खेमे में नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद को के.सी. वेणुगोपाल खेमे में शामिल कर लिया है।

विदित ही है कि आज के समय में के.सी. वेणुगोपाल कांग्रेस पार्टी के सबसे ताक़तवर व्यक्ति हैं। और बघेल का मानना है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने का रास्ता वेणुगोपाल से होकर ही गुजरता है।

- बघेल ही नहीं, राजस्थान के प्रभारी रंधावा भी अब पूर्णतया के.सी. वेणुगोपाल के खेमे के सदस्य हैं।
- पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत भी अब दिल्ली के सैट-अप में अपना स्थान वेणुगोपाल के मार्फत बनाना चाहते हैं।
- परंतु, जब से गहलोत ने तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी व नेहरु-गांधी परिवार के खिलाफ बगावत की थी, वेणुगोपाल भी राहुल गांधी के दरबार में गहलोत की ''एंट्री'' कराने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। अंबिका सोनी, जिनकी सोनिया गांधी भी सुनती हैं, गहलोत का पुनर्वास कराने में सफल नहीं हो पा रही हैं।

बघेल वर्तमान में पंजाब के प्रभारी हैं, जहाँ उन्होंने वेणुगोपाल के सामने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और कई मुद्दों पर कोई स्वतंत्र रुख नहीं अपना रहे हैं।

पंजाब में वरिष्ठ नेताओं का एक समूह वेणुगोपाल की संरक्षण में है, जिसमें रंधावा, राजा वडिंग, प्रताप सिंह बाजवा जैसे नाम शामिल हैं। इन नेताओं पर आरोप है कि वे आम आदमी पार्टी और भाजपा के हाथों में पूरी तरह खेल रहे हैं, जिससे राज्य में कांग्रेस का स्थिति बेहद कमजोर हो चुकी है।

पंजाब प्रभारी होने के बावजूद, बघेल ने किसी भी मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है और सिर्फ वेणुगोपाल के निर्देशों पर चल रहे हैं।

केवल इतना ही नही है। कांग्रेस के लगभग सभी महासचिव और राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

21 जुलाई से आरंभ होगा, संसद का मानूसन सत्र

नयी दिल्ली, 04 जून। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी।

मानसून सत्र में ऑपरेशन सिन्दूर और आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होन पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार यह संभावना भी है कि सत्र के दौरान न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के

- संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू ने यह जानकारी दी, साथ ही यह भी बताया कि सत्र 12 अगस्त तक चलेगा।

सरकारी आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव लाया जाऐगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रस्ताव लाने का निर्णय होता है, तो उसे इसी सत्र में लाया जाएगा। विपक्ष ने ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर संसद का विशेष सत्र लाने की सरकार से मांग की थी।

छः जून को प्र.मंत्री चिनाब रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे

यह पुल रेलवे इंजिनियरिंग की महान, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि तो है ही, साथ ही भारत का जवाब है, आतंकवाद के मुकाबले

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 जून को जम्मू-कश्मीर में चेनाब रेल पुल का उद्घाटन करेंगे, यह इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है, जो न केवल बेहतर संपर्क सुनिश्चित करता है, बल्कि आतंकवाद की हालिया घटनाओं से जूझ रहे पर्यटन-आधारित इस राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा साबित हो सकता है।

1.31 किमी लंबा चेनाब पुल, जो नदी तल से 359 मीटर ऊँचा है और आइफिल टावर से भी ऊँचा है, दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे पुल है। यह लंबे समय से प्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) का हिस्सा है। इस पुल की लागत 1,486 करोड़ रही और इसे पूरा करने में दो दशक से अधिक का समय लगा, क्योंकि हिमालयी क्षेत्र की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और जलवायु एक बड़ी चुनौती थीं। अब इसे घाटी के लिए एक ''गेम-चेंजर'' के रूप में देखा जा रहा है, जहाँ पर्यटन को उग्रवाद और आर्थिक गति हीनता का सबसे प्रभावी

- यह पुल दुनिया का सबसे ऊँचा पुल है। इसकी ऊँचाई आइफल टावर से भी अधिक है तथा इसके निर्माण में 1,486 करोड़ रूपए की लागत आयी और निर्माण में दो दशक से ज्यादा समय लगा।
- यह पुल ऊधमपुर, श्रीनगर, बारामूला की 272 किलोमीटर लम्बी रेल लिंक योजना का सबसे महत्वपूर्ण अंग है तथा इस रेल लिंक में 943 पुल, 36 सुरंगें हैं, जिसमें भारत की सबसे बड़ी, 12.77 किलोमीटर लम्बी सुरंग भी शामिल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में अपहृत तीन भारतीय नागरिक बरामद

तेहरान/नयी दिल्ली, 03 जून। ईरान में अपहृत तीन भारतीय नागरिक बरामद कर लिए गए हैं। ईरानी मीडिया ने मंगलवार देर रात यह जानकारी दी। मीडिया के अनुसार अपहरणकर्ता अफगान नागरिक हैं और फिलहाल पुलिस की हिरासत में हैं। बताया जाता है कि गत सप्ताह इन तीनों भारतीय नागरिकों का गत सप्ताह अपहरण कर लिया गया था। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने गत गुरुवार को बताया कि ईरान में तीन भारतीय नागरिकों के लापता होने की जांच ईरान के विदेश मंत्रालय के कांसुलर मामलों के विभाग द्वारा देश के न्यायिक अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में सक्रिय रूप से की जा रही है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास को ईरानी अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय के माध्यम से मामले की प्रगति के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। भारत में ईरान के दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया,तीन भारतीय नागरिकों के लापता होने से संबंधित मामले को इस्लामी गणराज्य ईरान के विदेश मंत्रालय के कांसुलर मामलों के विभाग द्वारा संबंधित न्यायिक अधिकारियों के समन्वय में देखा जा रहा है। इससे पहले इन तीनों भारतीयों के अपहरण में पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस के हाथ होने की भी आशंका जतायी जा रही थी।

अगले हफ्ते से मानसून फिर रफ्तार पकड़ेगा

नयी दिल्ली, 04 जून। 16 साल बाद अपने तय समय से पहले दस्तक देने वाले मानसून की रफ्तार अब धीमी पड़ गई है। मानसून को वापस अपनी रफ्तार पकड़ने में थोड़ा वक्त लग सकता है।

भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि, बंगाल की खाड़ी में एक नया मौसम तंत्र बनने की संभावना है, जिससे मानसून दोबारा सक्रिय होगा। फिर देश के शेष हिस्सों में आगे बढ़े गा। दरअसल, इस वर्ष मानसून ने 24 मई को केरल में समय से पहले दस्तक दी। यह पिछले 16 वर्षों में सबसे जल्द शुरुआत रही।

मोदी से मिले ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली, 04 जून। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने आज यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए संघीय चुनावों में ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप प्रधानमंत्री मार्लेस को बधाई दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। इस साझीदारी के इस वर्ष पांच साल पूरे हो गए। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, नवीन और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए साझा दृष्टिकोण द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानियो को इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।

'अमेरिका की छात्र वीसा नीति पर चुप क्यों है सरकार'

नई दिल्ली, 04 जून। कांग्रेस ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस फैसले पर चिंता जताई, जिसका वहां पढ़ ने वाले विदेशी छात्रों पर असर पड़ रहा है। इस दौरान कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि चीन ने अपने छात्रों के लिए सख्त प्रतिक्रिया दी है, लेकिन

- कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा, चीन ने अपने छात्रों के लिए सख्त प्रतिक्रिया दी, पर हमारी सरकार चुप है और अमेरिका में हमारे छात्र अनिश्चित भविष्य को लेकर आशंकित हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलूरु में आईपीएल की जीत के जश्न में मची भगदड़, 11 की मौत 33 घायल

रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलूरु की पहली आईपीएल जीत से बेकाबू प्रशंसकों को हैंडल नहीं कर पाई पुलिस

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। आईपीएल ट्रॉफी क्या जीती, मौत के तांडव को आमंत्रण दे दिया।

आरसीबी (रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलूरु) द्वारा पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीते जाने की खुशी में 4 जून, 2025 को बेंगलुरु में मनाया जा रहा जश्न मातम में तब्दील हो गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस अवसर पर हुई खतरनाक भगदड़ में एक बच्चे सहित, 11 लोग अपनी जान गँवा बैठे। दरअसल, स्टेडियम में भीड़ का जबरदस्त सैलाब उमड़ा और पुलिस भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सकी।

सम्भवतः अधिकारियों की प्लानिंग में रही कमी और जीत के जश्न में उमड़ी जबरदस्त भीड़ के कारण एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई और कम से कम 11 लोगों की मृत्यु हो गई तथा 20 से अधिक लोग घायल हो गये।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि भीड़ ''नियंत्रण से बाहर'' हो गई थी। लेकिन उन्होंने भगदड़ में हुए हताहतों की संख्या की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि भीड़ को नियंत्रित कर पाना संभव ही नहीं था। मैं बेंगलुरु और कर्नाटक के सभी लोगों से माफी माँगता हूँ। हम जश्न को एक जुलूस का रूप देना चाहते थे लेकिन भीड़ काबू से बाहर हो गई थी। हमने सुरक्षा के सभी उपाय किये थे, जिनमें 5000 पुलिसकर्मी तैनात किया

- कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, प्रशासन ने 5,000 पुलिसकर्मी तैनात किए थे, पर भीड़ बेकाबू हो गई थी। हम इन पर लाठी चार्ज नहीं कर सकते थे।
- राज्य की विपक्षी पार्टी भाजपा ने इस हादसे के लिए कांग्रेस सरकार की लापरवाही को जिम्मेवार ठहराया और कहा कि स्टेडियम में कोई व्यवस्था नहीं की गई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

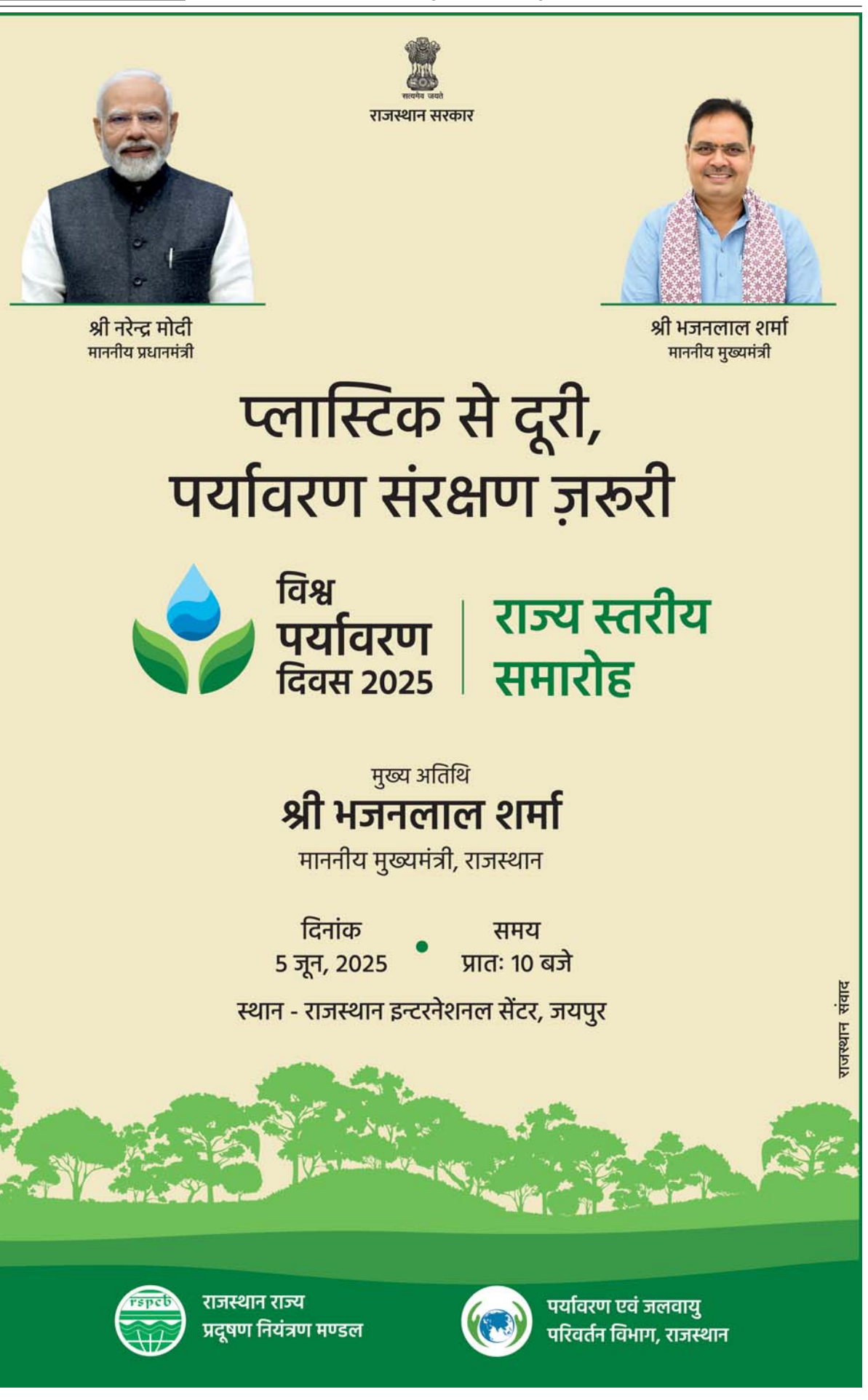

बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के मु. न्यायाधीश को पत्र लिखा

इन वकीलों ने मु. न्यायाधीश से आग्रह किया कि वे न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए अपनी सहमति प्रदान करें

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली। 4 जून। संवैधानिक संस्थाओं की निष्ठा और जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से, बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन (बीएलए) ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा, जो वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत आपराधिक अभियोजन शुरू करने की अनुमति मांगी है।

यह मांग 14 मार्च 2025 को न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास (30 तुगलक रोड, नई दिल्ली) में लगी आग की उस घटना के बाद आई है, जिसमें कथित रूप से 15 करोड़ रुपये की अधजली नकदी, फायर ब्रिगेड कर्मियों द्वारा बरामद की गई थी।

घटना के समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में जज के पद पर कार्यरत थे।

2 जून 2025 को बीएलए अध्यक्ष अधिवक्ता अहमद अब्दी और सचिव अधिवक्ता एकनाथ आर. धोकेले द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि उपलब्ध साक्ष्य संज्ञेय अपराधों की ओर इशारा करते हैं।

पत्र में कहा गया है कि तुरंत कार्यवाई इसलिए जरूरी है ताकि ''सबूत सुरक्षित रहें और कानून का राज कायम

- वकीलों का तर्क है कि एफआईआर के अभाव में, पंचनामा तैयार नहीं होने से सबूतों की हेराफेरी की संभावना बनी रहती है, जिससे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा व विश्वसनीयता को आघात पहुँचता है।
- वकीलों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बैंच के 1991 के निर्णय के अनुसार, न्यायाधीश भी ''पब्लिक सर्वेन्ट'' है तथा मुख्य न्यायाधीश की इजाज़त लेकर उनके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है।
- वकीलों ने उस ''इन हाउस'' कमेटी की रिपोर्ट को भी सार्वजनिक करने का आग्रह किया है जो कि तत्कालीन न्यायाधीश संजीव खन्ना को तीन मई को सौंपी गई थी तथा यह रिपोर्ट आगे राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को भेजी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निर्माणाधीन मकान में तराई के दौरान करंट दौड़ा, मां, बेटी व दामाद की मौत

करंट लगने से दूसरी बेटी गंभीर रूप से झुलसी, इलाज के लिए सावर हॉस्पिटल में भर्ती कराया

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के सावर थाना क्षेत्र के बिसुंदनी गांव में बुधवार सुबह निर्माणाधीन मकान की तराई के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइन के करंट की चपेट में आने से विधवा महिला सहित बेटी व दामाद की मौत हो गई, जबकि करंट लगने से दूसरी बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। झुलसी महिला को इलाज के लिए सावर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम सावर के राजकीय शशि कुमारी चिकित्सालय पहुंचे। मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया और ग्रामीणों की मुआवजे की मांग पर मृतक के परिजन को 5 लाख रुपए विद्युत विभाग, 2 लाख रुपए मुख्यमंत्री कोष तथा एक लाख रुपए विधायक कोष से देने पर सहमति बनी। विधायक गौतम के आश्वासन के बाद तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम कर शव परिजन के सुपुर्द किए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार सावर क्षेत्र के बिसुन्दनी गांव में सुबह करीबन सात बजे प्रेम देवी के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। मकान निर्माण कार्य की मदद हेतु उसकी बेटी माया देवी एवं दामाद कंवरलाल निवासी कादेड़ा ससुराल आए हुए थे। बुधवार सुबह तराई के दौरान प्रेम देवी, माया देवी, दामाद कंवरपाल एवं तारा देवी करंट की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए। घटनास्थल पर अफरा- तफरी मच गई।

करंट में झुलस जाने पर उन्हें स्थानीय लोगों द्वारा राजकीय शशि कुमारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक झुलसी बेटी को भर्ती कर लिया। तीनों के शव को चीरघर में रखवाया। सूचना मिलते ही सावर नगरपालिका अध्यक्ष विश्वजीत सिंह शक्तावत, सावर नगरपालिका पार्षद रामसिंह शक्तावत, पूर्व सरपंच पुष्पेंद्र सिंह शक्तावत, कुशायता सरपंचपति शिवराज खारोल, कादेड़ा सरपंच रामस्वरूप गुर्जर एवं रावणा राजपूत समाज के सैकड़ों लोग सावर चिकित्सालय पहुंचे परिजन सरकारी नौकरी एवं मुआवजे की मांग पर अड़ गए। सावर अस्पताल में केकड़ी पुलिस उपाधीक्षक हर्षित शर्मा, केकड़ी एसडीएम, सावर उपखण्ड अधिकारी, विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता अरुण जांगिड़, सावर थाना प्रभारी बनवारी मीणा मौके पर मौजूद ग्रामीणों से समझाइश की।

क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम सावर चिकित्सालय पहुंचे, उन्होंने मृतक के परिजन को ढांढस बंधाया, मौके पर उच्च अधिकारियों से वार्ता कर मृतको के परिजन को विद्युत विभाग से 5 लाख रुपए, मुख्यमंत्री कोष से 2 रुपए एवं विधायक कोष से एक लाख रुपए देने की घोषणा की। विधायक गौतम की घोषणा के बाद मृतक के परिजन ने पोस्टमार्टम करवाने की सहमति दी। वहीं पड़ौसी में दूसरे मकान में घटना के समय दोनों बेटियों के चार बच्चे खेल रहे थे, जिससे वे सुरक्षित बच गए। प्रेम देवी के पति लादूराम की पहले ही मौत हो चुकी है। उनकी पांच बेटियां हैं। सभी बेटियां मकान निर्माण में मदद के लिए अपने पतियों के साथ आई हुई थी। हादसे से एक दिन पहले दो बेटियां और उनके पति काम करवाकर अपने घर लौट गए थे।

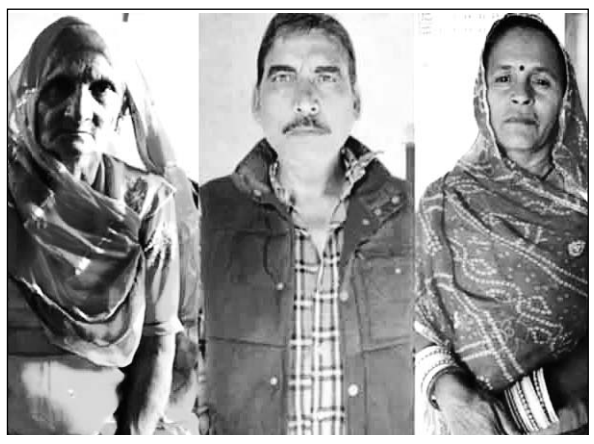

मृतक मां, बेटी और दामाद का फाइल फोटो।

- निर्माणाधीन मकान की तराई के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइन के करंट से हादसा हुआ

17 लाख रूपये के चना गबन का खुलासा, चालक गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना पुलिस ने 17 लाख रूपये कीमत के 425 बैग चना गबन मामले का खुलासा करते हुये आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। वहीं चालक की निशानदेही से ट्रक जब्त कर चने के बैग बरामद किये हैं।

थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि अग्रवाल ट्रेडर्स माधोराजपुरा के मालिक राजेन्द्र कुमार जैन ने एक जून को दी रिपोर्ट में बताया कि 29 मई को उसने कलमण्डा से चने खरीदकर गोपाल ट्रांसपोर्ट कम्पनी चंदवाजी के मार्फत ट्रक में 425 बैग चने के भर दिल्ली के लिये रवाना किया था। ट्रक में लदान किये गये चने की कीमत 17 लाख रूपये थी। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि ट्रक को दूसरे दिन दिल्ली पहुंचना था लेकिन चालक गाड़ी के साथ दिल्ली नही पहुंचा। मामले को गंभीरता से देखते हुये उच्चाधिकारियों के निर्देशों पर थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने जगह-जगह तलाशी के लिये अपने मुखबीरों को सक्रिय कर सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें थाना प्रागपुरा जिला कोटपूतली बहरोड की जानकारी सामने आने पर रास्ते मे सीसीटीवी कैमरे देखे तो मुखबीर की सूचना पर दिल्ली-जयपुर हाइवे नम्बर-8 इलाका थाना परागपुरा क्षैत्र में ट्रक खड़ा मिला। टीम ने आरोपी चालक राजेश स्वामी पुत्र कालूराम स्वामी निवासी स्वामियों की ढाणी राजनोता थाना प्रागपुरा कोटपूतली बहरोड को डिटेन किया।

आरोपी से गहन पूछताछ करने पर ट्रक चालक ने बताया कि उसकी गाड़ी की समय पर किश्तें नहीं चुका पाने तथा अपने ऊपर कर्जा होने से वह परेशान था। कर्जा चुकाने के लिये उसने साजिश रचते हुये अपने ट्रक के एक फर्जी नम्बर प्लेट लगा गोपाल ट्रांसपोर्ट के मार्फत कलमण्डा से चने के बैग भर अन्य व्यक्ति को बैच दिये। चना खरीदने वाले व्यक्ति के बताये अनुसार चने के कट्टों को जयपुर के पास एक गांव में बने गोदाम मे खाली कर तत्काल अपने ट्रक पर वास्तविक नम्बर प्लेट लगा ली। ट्रक चालक द्वारा रची गई साजिश का डिग्गी थाना पुलिस ने चार दिन में खुलासा करते हुये आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर चना बरामद किया वहीं निशानदेही से ट्रक को जब्त किया गया।

- कर्जा चुकाने के लिये चालक ने ट्रक के एक फर्जी नम्बर प्लेट लगा चने के बैग भर अन्य व्यक्ति को बैच दिये

डिग्गी थाना पुलिस ने चना गबन का खुलासा कर ट्रक चालक को गिरफ्तार किया।

गंगा दशहरा पर मुख्यमंत्री भजनलाल आज भरतपुर में

भरतपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को एक दिवसीय दौरे पर भरतपुर में रहेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार शाम को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर भरतपुर के ऐतिहासिक मंदिर श्रीगंगा महारानी जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे, उसके बाद महाआरती में भी शामिल होंगे। वहीं भक्तों को तुलसी के पौधे और गंगाजल वितरण करेंगे। यहां से वे सुजान गंगा नहर किनारे दीपदान कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर के जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग तैयारियों में जुटा हुआ है। बुधवार को सीएमओ की टीम भरतपुर पहुंची, जिसके द्वारा शाम को गंगा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से सांय 5.10 बजे एमएसजे कॉलेज मैदान हैलीपेड पहुँचेंगे, जहां से सर्किट हाउस जायेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सांय 6.10 बजे सर्किट हाउस से प्रस्थान कर 6.15 बजे गंगा माता मंदिर पहुंचेंगे तथा रात्रि 8 बजे तक गंगा माता मंदिर में महाआरती तथा सुजान गंगा में दीपदान कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद मुख्यमंत्री जयपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

जिला कलेक्टर डॉक्टर अमित यादव ने बताया कि सुजान गंगा नहर के किनारे दीपदान का कार्यक्रम है जहां सीएम कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए शहर के विद्वान शास्त्रों के ज्ञाता 22 ब्राह्मण को निमंत्रण दिया गया है जो पूजा अर्चना कराएंगे, रात 8 बजे जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

गंगा मंदिर, जो एक प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है, 1845 में महाराजा बलवंत सिंह द्वारा स्थापित किया गया था। इस मंदिर का निर्माण पांच पीढ़ियों तक चला, जो 1937 में महाराजा सवाई बृजेंद्र सिंह के शासनकाल में पूरा हुआ। मंदिर में गंगा देवी की मूर्ति स्थापित की गई, यहां माता गंगा का गंगाजल से स्नान कर भक्तों को गंगाजल ही प्रसाद के रूप में वितरण किया जाता है। गंगा दशहरा के पावन अवसर को देख यहां बड़ी तादाद में भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

- श्रीगंगा माता मंदिर में पूजा करेंगे, सुजानगंगा नहर में दीपदान में शामिल होंगे

अवैध मादक पदार्थ के आरोपी को सजा सुनाई

हिंडौन सिटी, (निसं)। हिंडौन सिटी न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिकरण कैसेज अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या एक हिंडौन सिटी के विशिष्ट न्यायाधीश अंबिका सोनी ने 12 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाया।

पुलिस थाना सदर हिंडौन सिटी के एसएचओ रामावतार यादव एसआई ने एक नवम्बर 2012 को नथुआ पुत्र जौहरी मीना, निवासी फैली का पुरा थाना सदर हिंडौन सिटी से 7 किलो 600 ग्राम अवैध डोडा चूरा जंगल मौजा टोडूपुरा से बरामद कर गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से 11 गवाह कराए गए। अभियोजन के समर्थन में 28 दस्तावेजात प्रदर्शित कराए गए।

राज्य सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक विक्रम पाल सिंह ने पेरवी की। वाद सुनवाई विशिष्ट न्यायाधीश अंबिका सोनी ने अभियुक्त नथुआ पुत्र जौहरी मीना निवासी फैली का पुरा, थाना सदर हिंडौन सिटी को 4 वर्ष के कठोर कारावास, तीस हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

नाबालिग को बहलाकर ले जाने का केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। हिंदुमलकोट थाना में एक नाबालिग लड़की को बहलाकर ले जाने का केस दर्ज हुआ। वहीं, अलग-अलग थानों में चार जनों के लापता होने का मामला दर्ज हुआ है। हिंदुमलकोट थाना में दर्ज मामले में नाबालिगा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार नाबालिग की उम्र करीब 14 साल है और वो स्कूल में पढ़ती है। पीड़िता के पिता ने गांव के रहने वाले एक व्यक्ति पर शक जताया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग 31 मई की रात को घर से निकली थी। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। उधर, आरोपी के संबंध में भी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। सदर थाना में पीड़ित ने सोमवार को रिपोर्ट दी कि उसकी बेटी 25 मई की रात को अपनी दादी के पास सोई हुई थी। रात के समय बिना बताए घर से कहीं चली गई। इसकी जानकारी 26 मई को सुबह हुई। अपने स्तर पर तलाश करने से कोई जानकारी नहीं मिली तो सोमवार को थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार उसकी आयु करीब 20 साल है और वह पढ़ाई पूरी कर घर पर ही रहती थी। युवती अपने साथ सभी डॉक्यूमेंट भी लेकर गई है। युवती की तलाश की जा रही है।

दो ठेकाकर्मी की करंट लगने से मौत

बीकानेर, (निसं)। बिजली फाल्ट को सही करने के लिए कर्मचारियों को जीएसएस से शटडाउन लेना पड़ता है। कर्मचारियों के काम पूरा करने के बाद ही उस लाइन में वापस बिजली चालू करनी पड़ती है। मगर, जोधपुर डिस्कॉम में शटडाउन की प्रक्रिया को ही खत्म कर दिया गया है। दो दिन में जिले में दो ठेकाकर्मी की मौत बिजली के पोल पर काम करते समय करंट लगने से हो गई। दोनों ही हादसे एक जैसे हैं।

सोमवार को बज्जू के मोडायत में मनोज मेघवाल की मौत करंट आने से हुई थी वहीं झाड़ेली गांव के ही मनोज मेघवाल की मौत बिजली का फाल्ट सही करते समय हो गई। दोपहर को मनोज ने जीएसएस से शटडाउन लिया और पोल पर चढ़कर फाल्ट सही करने लगा। अचानक जीएसएस से किसी ने बिजली चालू कर दी। इस पर मनोज नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। मनोज के परिजन उसे बीकानेर ले आए। उन्होंने पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया। सूचना मिलने पर देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग मौके पर पहुंचे। उन्होंने दो दिन में लोगों की मौत के लिए जोधपुर डिस्कॉम को जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान जोधपुर डिस्कॉम के एक्सईएन सत्यपाल चौधरी और एईएन महेश कड़ेला उनसे वार्ता के लिए पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने, संविदा नौकरी देने की सहमति दी तो परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम करवाने दिया। इस दौरान जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल, झाड़ेली सरपंच भंवरलाल तर्ड, मुरली गोदारा, परमाराम तर्ड, डूंगरराम तर्ड आदि उपस्थित थे।

- शटडाउन लेकर पोल पर चढ़ा, बिजली चालू करने से ठेकाकर्मी की मौत

दो मकानों में चोरी

सादुलपुर, (निसं)। गांव सेऊवा में दो मकानों में अज्ञात चोरों ने दबिश देकर नगद राशि एवं सोने की चेन चोरी कर ले गए।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि हुकमाराम जाट निवासी सेऊवा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि सुबह घर की छत पर बने कमरे में गया तो चेक किया तो अलमारी में रखे एक सोने की चेन तथा 9 हजार रुपए नगद कोई अज्ञात व्यक्ति रात्रि को चोरी कर ले गया। तब मकान के पास जाकर देखा साइड में चार व्यक्तियों के आने जाने के पैरों के निशान मिले। पैरों के निशान का पीछा किया तो पद चिन्ह गांव के ही दयानंद शेखू के घर में चले गए। दयानंद शेखू से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके घर में भी अज्ञात चोर घुसकर नीचे कमरे में रखे हुए 26 हजार रुपए नगद चोरी कर ले गए।

हमें ऐसा भारत बनाना है कि दुश्मन सोच भी न सके : बिट्टा

ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एमएस बिट्टा जोधपुर दौरे पर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एमएस बिट्टा जोधपुर दौरे पर पहुंचे। सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर बातचीत कर देश की सुरक्षा, आतंकवाद, सोशल मीडिया और खालिस्तान मुद्दे पर अपनी चिंता जाहिर की। बिट्टा ने कहा कि भारत हमेशा से आतंकवाद के खिलाफ खड़ा रहा है और आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा भारत देना चाहते हैं जो अमर रहे और सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा भारत बनाना है कि दुश्मन सोच भी न सके, और इसके लिए हमें इजराइल जैसा मजबूत बनना होगा।

बिट्टा ने कहा कि सोशल मीडिया ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। आज कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को मंच दे रहे हैं जिन्होंने आतंकवाद को बढ़ावा दिया है। उन्होंने पत्रकार ज्योति महलोत्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि सिर्फ वही नहीं, पंजाब में कई ऐसे ज्योति हैं जो देश विरोधी विचार फैला रहे हैं।

पाकिस्तान की नापाक हरकतों को लेकर उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पूरी दुनिया भारत के साथ है। जितनी भी लड़ाइयाँ भारत ने लड़ीं, वो अपने बलबूतें पर लड़ी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा कि हमने दुश्मनों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया है। खालिस्तान समर्थकों पर हमला बोलते हुए बिट्टा ने कहा कि सिख समुदाय को खुलकर कहना होगा कि हम खालिस्तान के खिलाफ हैं। उन्होंने गुरपतवंत सिंह पन्नू को आईएसआई का एजेंट बताते हुए कहा कि ऐसे लोगों को जवाब देना जरूरी है, और इस पर चुप रहना भी एक अपराध है। उन्होंने कहा कि वह पहले भारतीय हैं, फिर सिख और जब भारत मां पर मुसीबत हो तो लड़ाई किसी एक राज्य की नहीं बल्कि पूरे देश की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एस-400 जैसे हथियारों से हमारी डिफेंस ताकत बढ़ी है, लेकिन अगर सीमा पर खतरा है तो कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता।

अपहरण व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। यहां नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रामस्वरूप भार्गव को सिक्किम के गंगटोक से पकड़ा गया है। पीडिता के परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। आरोपी रामस्वरूप भार्गव, जो सामुदायिक भवन के पास नोखा का रहने वाला है, नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गया था। बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश और एसपी कावेंद्रसिंह सागर के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। अतिरिक्त एसपी ग्रामीण कैलाश सिंह सांदू और वृत्ताधिकारी हिमांशु शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी अमित कुमार की टीम ने आरोपी का पीछा किया।

तकनीकी और मुखबिर की सूचना के आधार पर टीम ने पाया कि आरोपी नोखा से भागने के बाद हरिद्वार, ऋषिकेश, दिल्ली, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और गंगटोक में छिपा। पुलिस टीम ने 2000 किलोमीटर की दूरी तय कर गंगटोक से उसे गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

- 2000 किमी दूर सिक्किम से पकड़ा गया आरोपी

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 525 Date:-26/05/2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 09/2025-26

Bids for anicut, pakka checkdam work Project MJSA 2.0 Phase 1 Block Shri Mahaveerji of estimated value INR 27.62 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 05-05-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526A0183
UBN NO- WSC2526WSRC00325

Superitending Engineer and Project Manger
WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/7112/2025

RAJASTHAN MEDICAL SERVICES CORPORATION LTD.
(A Govt. of Rajasthan Undertaking) Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-302005, India
Phone No: 0141-2228066, 2228064, Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in
CIN:U24232RJ2011SGC035067, E-mail: edpssrmsc@rajasthan.gon.in

Ref No. : F.02(193)/RMSCL/Proc./Sanitary Napkins(Non Drug)/NIB-06/2025/325 Dated :- 02/06/2025

Notice Inviting E-Bids

E-bids for rate contract cum empanelment for following items are invited from eligible bidders as detailed below:-

S. No.	Item Name/Description	UBN	Estimated Value Rs. in Crore	Last Time & Last date for bid submission
1.	Sanitary Napkin, Beltless	MSC2526GLRC00016	3.81 Cr.	26.06.2025 up to 6.00 P.M. on

Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://rmsc.health.rajasthan.gov.in and may be downloaded from there.

Executive Director (Procurement)
RMSCL
Raj.Samwad/C/25/3536

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/57 - 59 Date : 30/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 15/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 344.12 लाख (06 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	02.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	02.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	12.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00095 To ITU2526WSOB00100

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/3542

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.
(A Government of Rajasthan Undertaking) Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, LalKothi, Tonk Road, Jaipur-302015 Ph: 0141-2742240; E-mail: rudsico@rajasthan.gov.in, ruifdco@gmail.com; Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico

F18 (52) RUDSICO/AMRUT-2.0/2024-25/Tender/4645 Date :- 02/06/2025

NIB No. 05/2025-26

Notice inviting online bids for Rejuvenation of Water Body Project under AMRUT-2.0

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage & infrastructure Corporation Limited (RUDSICO), a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan throughe-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage-two envelope Bidding procedure for following works:

S. No.	Name of Work	Project Cost	Bid Security	Period of completion
1	Rejuvenation of Water Body projects at Jodhpur North (AMRUT 2.0/RAJ/RWB/03A)	4.65	0.093	15 months
2	Rejuvenation of Water Body projects at Nagaur, Bilara & Beawar (AMRUT 2.0/RAJ/RWB/03B)	7.27	0.145	15 months

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government sppp.rajasthan.gov.in and eproc.rajasthan.gov.in from date 06.06.2025 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 30.06.2025 up to 1500 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.

UBN No. : 3A - RDP2526WSOB00021, 3B - RDP2526WLOB00022, NIB Code : RDP2526A0009

Executive Director
Raj.Samwad/C/25/3533

दो पिकअप की टक्कर में आग लगने से एक चालक जिंदा जला, मौत

उनियारा/चौरु/टोंक, (निसं)। अलीगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब सात बजे दो पिकअप में आपस में आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। एक पिकअप में लगी आग से एक जना जिंदा जल गया इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। वहीं एक जना घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाइवे-116 पर चापोला बालाजी मंदिर के पास भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो पिकअप के आमने-सामने की टक्कर में एक पिकअप में लगी आग से एक जने की जिंदा जलने से मौके पर हो मौत गई। वहीं एक जने के घायल होने की सूचना है। घटना की जानकारी मिलते ही अलीगढ़ थानाधिकारी पवन कुमार मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जाप्ते व ग्रामीणों की मदद से घायल व्यक्ति को गाड़ी से बाहर निकालकर इलाज के लिए अलीगढ़ सीएचसी हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन हालत गंभीर होने पर से सवाई माधोपुर रेफर किया गया। वहीं अनिल कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी डीडवाडा थाना लालसोट जिला दौसा घायल हो गया। जिसके पाँव में गंभीर चोटें आई हैं जिसकी हालत स्थिर है। मौके पर फायर ब्रिगेड बुलाकर आग पर काबू पाया गया। वहीं गैस कटर के माध्यम से आग लगी पिकअप से मृतक कर्मजीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह निवासी 9 गांव थाना रामगढ़ जिला अलवर का निवासी बताया गया, जिसके शव को बाहर निकाला गया। जिंदा जले शव को अलीगढ़ सीएचसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। वाहनों की टक्कर के कारणों की अलीगढ़ पुलिस जांच कर रही है।

ग्रामीणों ने जानकारी में बताया कि पिकअप में लगी आग की लपटें इतनी तेज थीं कि ड्राइवर गाड़ी से बाहर नहीं निकल पाया और जिंदा जल गया। दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ड्राइवर की मौत हो चुकी थी। आग में जले ड्राइवर के शव को गैस कटर से गाड़ी काटकर बाहर निकाला गया। अलीगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव और घायल को अस्पताल पहुंचाया और हाईवे पर ट्रैफिक रोककर हालात को सामान्य किया गया।

दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

- आग में जले ड्राइवर के शव को गैस कटर से गाड़ी काटकर बाहर निकाला गया
- एक ड्राइवर को गंभीर घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया

एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी पुलिस थाना क्षेत्र में चार दिन पहले नौ साल की बच्ची के साथ अशील हरकतें करने के आरोपी मो. यासीन को पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। मामले में वीडियो वायरल हुआ था जिसमें लोग आरोपी को पकड़े हुए और उसकी पिटाई की गई थी। कुड़ी पुलिस ने बच्ची के पिता की तरफ से 31 मई को पॉक्सो में केस दर्ज किया था। इसमें बताया कि उसकी बच्ची गाय को रोटी देने आई तब आरोपी ने छेड़छाड़ की थी।

रैली निकाली

करौली । से शुरू होने वाले वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जागरूकता को लेकर जिला मुख्यालय पर रन फॉर एनवायरमेंट रैली का आयोजन किया गया। राजकीय पीजी महाविद्यालय से शुरू हुई रैली को डीएफओ सुमित बंसल और पीआरओ धर्मेंद्र मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा आयोजित रैली में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जागरूकता को लेकर रन फॉर एनवायरमेंट रैली का आयोजन किया गया। राजकीय पीजी महाविद्यालय से शुरू हुई रैली विभिन्न मार्गो से होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली में युवाओं और कार्मिकों के साथ अन्य लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली के माध्यम से युवाओं ने प्लास्टिक छोडने, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। डीएफओ सुमित बंसल ने बताया कि 5 जून से शुरू होने वाले वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जागरूकता को लेकर रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से शहर वासियों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जल संठाहण और पौधारोपण करने के प्रति जागरूक किया गया।

उन्होंने बताया कि 5 जून गुरुवार को गंगा दशहरा व विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री के द्वारा शुभारंभ किया जाएगा।

जल संरक्षण महाअभियान के सफल आयोजन में निभाएं सक्रिय जन भागीदारी : कलक्टर

- भरतपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण महा अभियान के सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित हुई।
- मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, जल शक्ति अभियान, जन सहभागिता, हरियालो राजस्थान, सामाजिक संस्थान, धार्मिक संगठन, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से प्रत्येक दिवस विशेष कार्यक्रम आयोजित कर अभियान को सफल बनायें।

भरतपुर (निस)। गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण महा अभियान के शुभारम्भ एवं जिले में जन सहभागिता से सफल आयोजन को लेकर जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में बैठक का जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई।

जिला कलक्टर ने कहा कि सरकार की मंशानुरूप वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जल स्त्रोतों के पुन: जीर्णोद्धार एवं जल संरक्षण के लिए जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं, क्लब ऐसोसियन के प्रतिनिधि जुडकर सफल बनायें। उन्होंने कहा कि सभी मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, जल शक्ति अभियान, जन सहभागिता, हरियालो राजस्थान, कर्मभूमि से मातृभूमि को वंदे गंगा अभियान में व्यापारी, सामाजिक संस्थान, धार्मिक संगठन, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से प्रत्येक दिवस विशेष कार्यक्रम आयोजित कर अभियान को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि ब्लॉक वंदे गंगा अभियान का एक्शन प्लान बनाकर ग्राम पंचायत में सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान के उद्देश्य की जानकारी पहुंचते हुए आम लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी बढाई जाये। उन्होंने कहा कि आगामी 5 जून से 20 जून तक सभी विभाग अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर जल संरक्षण के महत्व को आम लोगों तक पहुंचाऐं। इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर नगर निकायों से गांव-गांव तक पहुंचा कर आमजन को जल की महत्वता को समझायें।

उन्होंने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु के दौरान पुराने कुएं, कुण्ड, तालाब, बावडियों, पार्कों, सडकों के किनारे पौधारोपण करने, साफ-सफाई करने एवं कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत भामाशाहों से सहयोग लिया जाये। सभी चारागाह, सिवायचक भूमि, जल स्त्रोतों की साफ सफाई कर जल संरक्षण व पौधारोपण का प्लान बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी लेकर जल स्त्रोतों पर श्रमदान एवं भामाशाहों से सहयोग लिया जाये। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिये सहभागिता निभाते हुये आमजन को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिले के सभी जल स्त्रोतों में अभियान के दौरान साफ सफाई होना सुनिश्चित की जाए। भामाशाहों के सहयोग से आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा करें। उन्होंने अभियान के दौरान अच्छा कार्य करने वाली ग्राम पंचायत, भामाशाह, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं को आगामी 15 अगस्त व 26 जनवरी के समारोह में सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को बिहारीजी परिक्रमा मार्ग में घूमने वाले आवारा पशुओं, बंदरो आदि से सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगवाने एवं गार्ड नियुक्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने सुजान गंगा में साफ सफाई की दृष्टि से पूजा सामग्री को रोकने के लिए डस्टबिन व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मृदुल सिंह ने बताया कि जल शक्ति अभियान के कैच द रेन के तहत गांव का पानी नदी नालों में बहकर नहीं जाए, इसके लिए ग्राम पंचायतों व स्थानीय काश्तकारों को प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने तुलसी पौधा वितरण, हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान पौधारोपण करने, प्लास्टिक मुक्त कार्यक्रम, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, प्रभात फेरी, जल स्त्रोतों पर दीप प्रज्जवलन, कलश यात्रा, नदी-बांध-सरोवर आदि की पूजा एवं धार्मिक एवं व्यापारिक संगठन, भामाशाह, गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा संगोष्ठी आयोजन विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, भामाशाह, सामाजिक संगठन आदि ने जिले के पौधारोपण, पार्क विकसित करने, जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यकरण के लिये सुझाव दिये।

इस अवसर पर निदेशक घना मानस सिंह, अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, आयुक्त नगर निगम श्रवण बिश्नोई, सतेन्द्र गोयल, दीपराज सिंह, गिरधारी सहित जनप्रतिनिधि, भामाशाह, सामाजिक संगठन, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, मण्डल मुख्यालय भरतपुर पर आयोजित पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय सचिव, संयुक्त सचिव सेमिनार में सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) गिरिराज प्रसाद गर्ग ने कहा कि स्थानीय संघ के माध्यम से विद्यालय में कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर की गतिविधियां जीवन जीने की कला सिखाती है। उन्होंने पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम इको क्लब में नवीन गतिविधियों का समावेश करते हुए बाल वाटिका नन्ही उम्र के बालक बालिकाओं को टमटोला इत्यादि गतिविधियों से जुडाव पर जोर दिया। सर्किल ऑर्गेनाइजर गाइड कल्पना शर्मा ने विद्यालय स्काउट गाइड ट्रुप गठन, जिला वार्षिक अधिवेशन तथा योग्यता वृद्धि की जानकारी दी। जिला सचिव राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने स्थानीय संघ गतिविधियों के साथ-साथ कोटामनी, स्टीकर पर चर्चा की। सर्किल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) देवेंद्र कुमार मीणा ने राष्ट्रीय जंबूरी उत्तरप्रदेश, स्थानीय संघ भवन, प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी दी। इस अवसर पर बलराज सिंह, यादराम, सरला कुमारी, जगमोहन रावत, मानसिंह, संत शरण मिश्रा, पूरण चंद, भानु प्रताप सिंह, वेद प्रकाश, शिव सिंह, राजीव कुमार, बृजमोहन, रामेश्वर दयाल, गुड़िया देवी ने पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम इको क्लब स्वच्छता अभियान पॉलीथिन उन्मूलन जल संरक्षण ऊर्जा संरक्षण सहित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। अंत में कल्पना शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

हादसे में युवक की मौत, मां घायल

करौली । करौली जिले में एक दर्दनाक सडक दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा करौली-मंडरायल मार्ग पर स्थित बुगडार गांव के पास हुआ जहां एक तेज रफ्तार पिकअप ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। लांगरा थानाधिकारी वासुदेव बसवाल ने बताया कि करौली के भट्टा कॉलोनी स्थित भंवर विलास के पास निवासी 20 वर्षीय हेमंत पुत्र द्वारिका अपनी मां ममता के साथ बाइक से मध्य प्रदेश के सबलगढ जा रहा था। इसी दौरान बुगडार गांव के पास लांगरा थाना क्षेत्र में एक पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मां-बेटा दोनों सडक पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल करौली जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद हेमंत को मृत घोषित कर दिया। मां ममता का उपचार करौली अस्पताल में जारी है। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन को मौके पर छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर लिया है और आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। इस दुखद हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मृतक के शव का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक हेमंत पुत्र द्वारिका निवासी लक्ष्मणपुरा मध्य प्रदे'ा का मूलत: निवासी था जो भंवर विलास पैलेस के पास करौली मे परिवार सहित रहता था।

विशेष योग्यजनों कल्याण शिविर 6 से

करौली । जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा अनुसार राज्य में विशेष योग्यजनों के सशक्तिकरण एवं कल्याण हेतु उनकी आवश्यकता एवं पात्रता अनुसार कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु चिन्हिकरण का विशेष अभियान चला कर उन्हें लाभान्वित किया जाना है। उन्होंने बताया कि इस हेतु शहरी क्षेत्र में उपखण्ड अधिकारी, ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत सहायक, गठित दल ग्राम सेवक, आंगनवाडी कार्यकर्ता, महिला सुपरवाईजर आशा, एनएम, महिला सुपर वाईजर साथिन के द्वारा डोर टू डोर सर्वे करवाकर शिविर में विशेष योग्यजनों की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने बताया कि सभी कार्मिक शिविर आयोजन तिथि से पूर्व 2 से 3 दिन चिन्हिकरण शिविर का प्रचार-प्रसार डोर टू डोर सर्वे की प्रत्येक दिवस की सूचना संबंधित जिला अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के यहां सर्वे दल द्वारा प्रेषित की जायेगी।विशेष योग्यजन शिविर 6 जून से 30 जून 2025 तक आयोजित किये जायेंगे जिसमें यह सुनिश्चित किया जायेगा कि जिले में प्रत्येक विशेष योग्यजन को आवश्यकतानुसार उपकरण हेतु चिन्हित कर लिया गया है। और कोई भी पात्र विशेष योग्यजन चिन्हिकरण से वंचित ना रहे। इस क्रम में जिला स्तर पर 6 जून को पंचायत समिति करौली में, 10 जून को पंचायत समिति मण्डरायल, 13 जून को पंचायत समिति मासलपुर, 17 जून को पंचायत समिति सपोटरा, 20 जून को पंचायत समिति हिण्डौन, 23 जून को पंचायत समिति नादौती, 26 जून को पंचायत समिति टोडाभीम तथा 30 जून को पंचायत समिति श्रीमहावीरजी में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन स्वरोजगार योजना, सुखद दाम्पत्य योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना, संयुक्त सहायता उपकरण वितरण योजना, विशेष योग्यजन छात्रवृति योजना से संबंधित कार्य, यूडीआईडी कार्ड पंजीयन करवाना, पेंशन, पालनहार का वार्षिक सत्यापन करवाया जाना, संयुक्त सहायता अनुदान योजनान्तर्गत कृत्रिम अंग उपकरण वितरण संबंधी आवदेन प्राप्त करना, रेल पास रोडवेज बस पास, मेडिकल प्रमाण-पत्र बनाना आदि कार्य किये जाएंगे। उन्होंने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये है।

शाही कुंड का निरीक्षण

करौली । करौली उप जिला कलेक्टर एवं कार्यवाहक आयुक्त नगरपरिषद प्रेमराज मीणा ने सभापति प्रतिनिधि सुशील, एईएन शुभम जेईएन दिनेश, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आकाश शर्मा,पार्षद सम्मी बना,सामाजिक कार्यकर्ता सुमित भट्ट,संतोष,हरिशंकर यादव कई लोगों की उपस्थिति में करौली की ऐतिहासिक धरोहर शाही कुण्ड की गिरी हुई दीवार सहित आसपास के क्षेत्र का अवलोकन कर निरीक्षण किया। सामाजिक कार्यकर्ता बबलू शुक्ला ने बताया कि उपस्थित सभी लोगो ने भविष्य में जनहानि सहित और कोई नुकसान न हो इस हेतु शीघ्र ही शाही कुंड कि दीवार निर्माण एवं कुंड के अंदर सफाई अभियान के लिए आग्रह किया जिस पर आयुक्त मीणा ने शीघ्र दीवार निर्माण कराने का विश्वास दिलाया।

सियार को कुएं से निकाला

भुसावर भरतपुर (निस)। कस्बा भुसावर के सरकारी बाग में करीबन 55 फुट गहरे सूखे कुएं में गिरे सियार का वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड दिया। टीम के प्रभारी ओमेन्द्र शर्मा ने बताया कि सरकारी बाग में स्थित सूखे पडे सूखे कुए में एक सियार के गिर जाने की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर तुरन्त टीम के साथ मौके पर पहुँचकर ग्रामीणों के सहयोग से घंटों की मशक्कत के बाद सियार को बाहर निकाला गया और उसे सुरक्षित जंगल में छोड दिया गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम जारी

करौली । जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन आज गुरूवार को पंचायत समिति करौली की ग्राम पंचायत मुख्यालय खूबनगर के भारत निर्माण केन्द्र पर व ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन 12 जून द्वितीय गुरूवार को पंचायत समिति मुख्यालय मण्डरायल के भारत निर्माण केन्द्र पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश जारी किये है।

भाजपा पदाधिकारी की बैठक

भरतपुर (निस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल षर्मा के भरतपुर आगमन के तहत स्वागत की तैयारियों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानीदायमा की अध्यक्षता में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर पूरे राजस्थान में शुरू किये जाने वाला "वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के अन्तर्गत मुख्यमंत्री द्वारा गंगा मन्दिर पर सांय काल महाआरती का आयोजन किया।

देशभक्ति के जोश के साथ तिरंगा यात्रा निकाली

- देशभक्ति के गीत वंदेमातरम की जयघोष से माहौल देशभक्तिमय हुआ

श्रीमहावीरजी। कस्बे में बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा आयोजित हुई जिसमें देशभक्ति के गीतों पर नाचते गाते युवा पूरे जोश में नजर आ रहे थे देशभक्ति के गीत विजय विश्व तिरंगा और वंदेमातरम की जयघोष से क्षेत्र का माहौल देशभक्तिमय हो गया है। मंडल अध्यक्ष कपलेश शर्मा ने बताया कि भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए बुधवार को अहिंसा नगरी तिरंगा यात्रा आयोजित हुई। यात्रा गोदारा गार्डन से शुरू हुई तिरंगा यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गो से होती हुई देवनारायण मंदिर मिस्त्री मार्केट बस स्टैंड होती हुई पुन: गोदारा गार्डन सम्पन्न हुई। तिरंगा यात्रा में देशभक्ति का ज्वार देखने को मिला। रैली में दर्जनों भूतपूर्व सैनिकों सहित प्रबुद्धजन हाथों में तिरंगा लिए हुए चले। महिलाओं, युवा व अन्य लोग उल्लास और उत्साह के साथ सेना के सम्मान व सैनिकों की वीरता के लिए नारे लगाते हुए चले। रैली मार्ग देशभक्ति गीतों से गूंज उठा। रैली में शामिल लोग हाथ में तिरंगा ध्वज, तिरंगा साफा आदि पहने नजर आए। मुख्य मार्केट में जगह जगह तिरंगा यात्रा में लोगो ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया सबसे आगे डीजे गाडी पर बजते देशभक्ति के गीतों पर युवा नृत्य करते हुए चले। भारतीय सेना के पूर्व सैनिक पोस्टर-बैनर में ऑपरेशन सिंदूर रैली में शामिल लोगों के हाथों में ऑपरेशन की सफलता के पाकिस्तान के नाकाम ड्रोन हमलों सहित सेना के पराक्रम की गूंज वाली गाथाओं के नारे साथ ही युवा टीम पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए चल रहे थे। तिरंगा यात्रा में राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के लोगों ने भागीदारी निभाई। इस मौके पर तिरंगा यात्रा के मंडल प्रभारी ईश्वर सिंह हरिओम सिंह रूप सिंह तोगड़िया सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

जल भराव की समस्या, एसडीएम को सौपा ज्ञापन

- मानसून से पहले समाधान की मांग

हिंडौन सिटी। जाट की सराय के निवासियों ने जलभराव की समस्या को लेकर एसडीएम हेमराज गुर्जर को ज्ञापन सौंपा। वार्ड संख्या 36 की पार्षद पूनम देवी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने मंगलवार को यह ज्ञापन दिया। मुख्य रास्ते पर जलभराव की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। क्षेत्र में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से गंदगी और कीचड़ की समस्या बनी हुई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बदबू और गंदगी से बीमारियां फैलने का खतरा है। लोगों ने ज्ञापन देने से पहले क्षेत्र में प्रदर्शन भी किया। इस दौरान युवराज बेनीवाल, राधे, जीतू, सीमा, रघु, रुमाली देवी, पीयूष, सुमन देवी और कन्हैया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन शिविर का आज समापन

- प्रतिभागियों को नृत्य, मेंहदी आदि का प्रशिक्षण दिया

हिंडौन सिटी। भारत विकास परिषद्, शाखा हिण्डौन सिटी द्वारा महिलाओं एवम् बच्चियों में उनकी रुचि अनुसार विभिन्न विधाओं में कौशल विकास के प्रशिक्षण देने हेतु स्थानीय निर्मल विद्यालय, मोहन नगर में आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का आज विधिवत् समापन हुआ। समारोह में हिण्डौन तहसीलदार सीमा बघेल मुख्य अतिथि व निर्मल विद्यालय के निदेशक मनीष चौधरी, सुलोचना चौधरी विशिष्ट अतिथि रहे।

शाखा सचिव दीनदयाल सिंघल ने बताया कि कार्यक्रम को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्रांतीय संरक्षक निरंजन शर्मा, शाखा अध्यक्ष उपेन्द्र गुप्ता व कार्यक्रम प्रभारी पूनम जैन ने भारत माता व स्वामी विवेकानन्द जी के चित्रपट पर माल्यार्पण एवम् दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगीत से विधिवत् आरम्भ किया, तत्पश्चात् मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का मातृशक्ति ने सम्मान किया। उन्होंने परिषद् के शिविर की प्रशंसा करते हुए इसे रुचि अनुसार प्रतिभाओं में कौशल विकास के लिए सार्थक व महत्वपूर्ण मंच बताया।

महिला सहभागिता संयोजिका वन्दना शर्मा ने बताया कि परिषद् द्वारा ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर 25 मई से 3 जून तक आयोजित किया गया था इसमें पंजीकृत सैकड़ों प्रतिभागियों को प्रतिदिन नृत्य, मेंहदी, ढ़ोलक, सिलाई, कर्शीव राइटिंग, इंग्लिश स्पीकिंग, ड्राइंग, पार्लर आदि विधाओं का प्रशिक्षितों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में सभी प्रशिक्षितों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्वेता जैन ने किया।

शाखा सहसंयोजिका पूजा सिंघल ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धर्मेंद्र गेरा, लाइंस क्लब से ओ पी मंगल, प्रांतीय दायित्वधारी देवेन्द्र शर्मा, पंकज जैन, शाखा संरक्षक अशोक गर्ग, उपाध्यक्ष नरेश रामपुरा, सम्पर्क प्रमुख ओमप्रकाश गोयल (ढिंढोरा), संस्कार प्रमुख अशोक गुप्ता, पर्यावरण प्रभारी राजेन्द्र गुप्ता, रक्तदान प्रभारी मोहित मित्तल, योगेश गुप्ता (बरगमां), मनीष जैन एडवोकेट, आलोक सोलंकी, सुधा गोयल, सुषमा गर्ग, मंजू गुप्ता, रजनी गोयल, कुमकुम अठावाल, मोना मित्तल, अंजू गुप्ता, सपना सिंघल, डॉ रेखा गुप्ता, गरिमा गुप्ता, रेनू देवी, सुहानी गर्ग, मंजू गोयल, रेखा गुप्ता, शशि सोलंकी आदि सदस्य सम्मिलित हुए। शाखा अध्यक्ष उपेन्द्र गुप्ता ने अन्त में सभी का धन्यवाद दिया। सामूहिक राष्ट्रगान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

ग्राहक पंचायत ने शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन दिया

भरतपुर (निस)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जयपुर प्रान्त के प्रान्तीय संगठन मंत्री घनश्याम के निर्देशन में निजी विद्यालयों के लिए स्कूल फीस, पुस्तकें, यूनीफॉर्म, कॉपी, टाई-बैल्ट, जूते-मोजे को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करवाने के लिए ग्राहक पंचायत की ओर से उप जिला कलेक्टर भरतपुर के माध्यम से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की ओर से, शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ग्राहक पंचायत की ओर से इस आशय की प्रतिलिपि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा भरतपुर संभाग भरतपुर को भी प्रदान की गई। जिलध्यक्ष बाबूलाल कटारा ने बताया कि निजी विद्यालयों को चाहिए कि वह प्रत्येक विद्यार्थी व अभिभावक के लिए अपने विद्यालय में चलने वाले पाठ्यक्रम की किताबों के नाम, उनके लेखक एवं उनका मूल्य नोटिस बोर्ड पर चस्पा करें जिससे विद्यार्थी व उसका अभिभावक उन्हें बाजार में से कहीं से भी खरीद सके। इसी प्रकार प्रत्येक निजी विद्यालय की यूनिफॉर्म कम से कम पांच दुकानों पर उपलब्ध होनी चाहिए जिससे अभिभावक अपने बच्चों के लिए तौल-मोल करके यूनिफॉर्म खरीद सके। विद्यालय की यूनिफॉर्म को कम से कम 5 साल से पहले चेंज नहीं किया जाना चाहिए। निजी विद्यालयों को जूते मोजे, टाई बैल्ट आदि सामान को लेकर अभिभावकों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। स्कूल फीस के संदर्भ में विद्यालय प्रशासन को अपने विद्यालय की समिति द्वारा निर्धारित फीस ही विद्यार्थियों से ली जानी चाहिए। निजी विद्यालयों द्वारा शिक्षा विभाग की इन गाइडलाइन की पालना को लेकर आज ग्राहक पंचायत द्वारा ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन देने वालों में ग्राहक पंचायत के जिला सचिव देवाशीष भारद्वाज, सेवानिवृत विकास अधिकारी इंजी. राजेंद्र दन्डौतिया आदि मौजूद थे।

जिले की कार्यकारिणी घोषित

करौली (निसं.) ब्राह्मण महासंघ करौली जिला अध्यक्ष पंडित योगेश शर्मा और जिला प्रभारी महेश पाराशर की अनुशंसा व ब्राह्मण महासंघ प्रदेश अध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय बंटू नेता की सहमति से जिला महामंत्री सत्यनारायण महेरा द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है।

उन्होने बताया कि कार्यकारिणी मे गोपाल शर्मा पी टी आई उपाध्यक्ष, मनोज शर्मा बबलू उपाध्यक्ष, योगे' मुदगल उपाध्यक्ष, केशव शर्मा उपाध्यक्ष,नगेंद्र आचार्य सचिव, कन्हैया लाल शर्मा सचिव, शेष ब्लॉक अध्यक्ष, महामंत्री और जिलाकार्यकारिणी का विस्तार आगामी समय में किया जायेगा।

पर्यावरण दिवस पर विचार गोष्ठी

भरतपुर (निस)। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर पर बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि हम सभी पर्यावरण के आवरण में सुरक्षित हैं। हमें जीवनयापन के लिए शुद्ध वायु, जल व भोजन की जरुरत है। प्लास्टिक, पेट्रोलियम वाहनों व कोयला आधारित बिजली का प्रयोग, वनों की कटाई तथा विलासिता की आदतें हमारे पर्यावरण को प्रदूषित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन के सुरक्षित आवरण को हम स्वयं ही कमजोर कर रहे है, वायु प्रदूषण स्तर इतना बढ गया है कि हमें सांस लेने में कठिनाई हो रही है, इससे अस्थमा व सांस सम्बन्धी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि फिल्टर किया हुआ पानी प्राकृतिक शुद्ध जल का विकल्प नही है, इससे शरीर में तत्वों की कमी हो रही है। प्लास्टिक का प्रयोग तो हमारा मूक हत्यारा बन गया है, यह पृथ्वी के जीवन को दानव की तरह लील रहा है, इसका प्रयोग बंद करें। हमें सरकार की योजना का लाभ लेते हुए अपने घरों व खेतों पर सौर ऊर्जा संयत्र लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु में अपने घरों व सार्वजनिक स्थलों पर अधिकाधिक पेड लगायें। जल, जंगल, जमीन व जानवर हमारे मित्र हैं, इनकी रक्षा करें। ध्यान रखें कि सारा खेल संतुलन का है यदि पर्यावरण का संतुलन बिगड गया तो हमारे तथाकथित आधुनिक विकास के विरुद्ध प्राकृतिक महाविनाश होना तय है।

विधिक सेवा प्राधिकरण की बैठक संपन्न

करौली (निसं.)जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करौली के तत्वाधान में राजस्थान पीडित प्रतिकर स्कीम 2011 के अन्तर्गत लंबित प्रार्थना पत्रों एवं विधिक सहायता के आवेदन पत्रों के निस्तारण हेतु मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश करौली की अध्यक्ष सुश्री माधवी दिनकर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में पीडित प्रतिकर के कुल 09 प्रकरण विचारार्थ रखे गये जिन पर समिति के सभी सदस्यों द्वारा विचार विमर्श कर पीडितों के लिए कुल 20 लाख 45,000 हजार रूपयें का प्रतिकर स्वीकृत किया गया। साथ ही बैठक में नि:शुल्क विधिक सहायता के लिए प्रस्तुत 07 प्रार्थना पत्र विचारार्थ रखे गये। समिति द्वारा प्रार्थना पत्रों को स्वीकार कर पैनल अधिवक्ता नियुक्त करने की कार्यवाही की गयी एवं 01 प्रकरण जिनमें पूर्व में नि:शुल्क विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्त किया गया जिनका निस्तारण हो चुका है को भी विचारार्थ रखा गया जिनमें समिति द्वारा पैनल अधिवक्ता को द्वितीय किश्त दिये जाने का अनुमोदन किया गया।

भागवत कथा के पांचवें दिन गोवर्धन पूजा

हिण्डौनसिटी । समीपवर्ती देवलेन गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा से पुरा गांव भक्तिमय हो गया है। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु कथा का रसपान कर रहे है। श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए प्रदीप शास्त्री ने संगीतमय कथा वाचन कर भागवत के पांचवे दिन भगवान की बाल लीलाओं के चरित्र और गोवर्धन पूजा के महत्व का वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान गिरिराज महाराज की सुंदर झांकी सजाई गई। इस दौरान संगीतमय कथा के दौरान भजनों पर पांडाल में उपस्थित श्रद्धालु भजनों पर देर तक नाचते रहे। कथा में उपस्थित श्रोताओं से शास्त्री ने कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया उसे दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू कर दी। इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रजमंडल पर भारी बरसात कराई। प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान कृष्ण ने कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का अहसास हुआ। शास्त्री जी ने बताया कि लीला और क्रिया में अंतर होता है। अभिमान तथा सुखी रहने की इच्छा क्रिया कहलाती है। इसे ना तो कर्तव्य का अभिमान है और ना ही सुखी रहने की इच्छा, बल्कि दूसरों को सुखी रखने की इच्छा को लीला कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने यही लीला की। जिससे समस्त गोकुलवासी सुखी और संपन्न थे। उन्होंने कहा कि माखन चोरी करने का आशय मन की चोरी से है। कन्हैया ने भक्तों के मन की चोरी की। उन्होंने तमाम बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए उपस्थित श्रोताओं को वात्सल्य प्रेम में सराबोर कर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म लेने पर कंस उनकी मृत्यु के लिए राज्य की सबसे बलवान राक्षसी पूतना को भेजा था। जहां राक्षसी पूतना भेष बदलकर भगवान कृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान उसका वध कर देते हैं। इसी प्रकार कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन कार्यक्रम की तैयारी करते हैं। लेकिन भगवान कृष्ण उनको इंद्र की पूजा करने से मना कर देते हैं। गोवर्धन की पूजा करने के लिए कहते हैं। यह बात सुनकर भगवान इंद्र नाराज हो जाते हैं। गोकुल को बहाने के लिए भारी वर्षा करते हैं। इसे देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देखकर भगवान कृष्ण कनिष्ठ अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर सभी लोगों को उसके नीचे छिपा लेते हैं। भगवान द्वारा गोवर्धन पर्वत को उठाकर लोगों को बचाने से इंद्र का घमंड चकनाचूर हो गया। मथुरा को कंस के आतंक से बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया। इस मौके पर मुख्य यजमान रामचरण पटेल सहित आयोजक राजरोसी, रमेश, हंसराज, राजेन्द्र, विश्वेन्द्र देवलेन, विष्णु रिंकवाल, रामहरि, भूपेन्द्र अधैत, ईशवेन्द्रसिंह, तेजेन्द्र सहित सैकडों श्रोताओं ने कथा का रसपान कर भगवान की भक्ति का आनंद लिया।

कृषक उपयोगी जानकारी दी

करौली (निसं.) केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विभाग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में इन दिनों 15 दिवसीय विकसित कृषि संकल्प अभियान का मडरायल मे आयोजन किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ बच्चूसिंह मीणा ने बताया की इसी क्रम में रविवार को मंडरायल पंचायत समिति के गांव कसेड,दरगमा एवं अरोरा सहित 6 गांवों में किसान संगोष्ठियां एवं कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया जिसमे उन्नत कृषि तकनीकियों के बारे में बताया गया। गौरतलब है की इस अभियान में प्रतिदिन 6 गांवों के कृषकों से संवाद किया जा रहा है। अभियान टीम नोडल प्रभारी डॉ. आर.मीणा एवं डॉ.प्रियांशु त्रिपाठी ने बताया की रविवार को इन 6 गांवों में कृषक गोष्ठी, मीटिंग एवं समूह संवाद किया गया जिसमे किसानो को खेती की आधुनिक तकनीकियों के बारे में बताया गया। अभियान में भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान सेवर भरतपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वासुदेव मीणा एवं डॉ.आर. के. योगी ने खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक पर जानकारी दी।

डीग में जल संरक्षण जन अभियान 5 जून से

डीग भरतपुर (निस)। वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान को लेकर प्रभारी सचिव डीग वी सरवन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पंचायत समिति सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। प्रभारी सचिव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून, 2025 से 20 जून, 2025 तक राज्य में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के आयोजन का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भूजल स्तर बढाने तथा जल संचयन पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरुद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी।

प्रभारी सचिव सरवन ने बिंदुवार आयोजित कार्यक्रमों को लेकर विभागों की अब तक की तैयारियों की समीक्षा की एवं अभियान को सफल बनाने के लिए, पूर्ण गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत लक्ष्यानुरूप पौधारोपण करने के लिए आवश्यक गड्ढे खोदने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गड्ढे मानक अनुरूप खोदे जाए। अभियान के तहत सरकार की मंशानुरूप आयोजित हो रही गतिविधियों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आमजन की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए प्रयास करें।

बैठक में प्लास्टिक उपयोग, वेस्ट मैनेजमेंट, जागरूकता गतिविधियों, साफ-सफाई कार्य सहित अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपखंड स्तर पर भी अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाए ताकि अभियान सफल हो सके। उन्होंने कहा कि सीएसआर एवं भामाशाहों के माध्यम से जल संरक्षण के कार्य करवाएं।

'5 जून को गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस'

जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 5 जून को गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि 5 जून, 2025 गुरुवार को प्रभारी मंत्री भरतपुर व डीग सुरेश सिंह रावत एवं प्रभारी सचिव डीग वी सरवन कुमार की अध्यक्षता में प्रात: 7 बजे कलश यात्रा-गणेश मंदिर डीग से होते हुए गोपालसागर तालाब पहुंचेगी जहां पर तालाब पूजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर नर्सरियों का विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौधा वितरण, हरियालो राजस्थान के लिए पूर्व तैयारी, विश्व पर्यावरण दिवस पर वंदे गंगा प्रभात फेरी, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं मरम्मत आदि का आयोजन किया जायेगा। 6 जून को जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों एवं खालों की जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के सहयोग से साफ-सफाई, सार्वजनिक स्थानों पर वंदे गंगा जल सेवा व जल परीक्षण अभियान आयोजित किया जायेगा। साफ-सफाई, श्रमदान, वंदे गंगाजल संठाहण संरचनाओं की गाद निकालना आदि शामिल है।

ट्रैक्टर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक चोरी का ट्रैक्टर बरामद किया

छबड़ा, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने बारां ज़िले में ट्रैक्टर चोरी करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए ट्रैक्टर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा आरोपियों के कब्जे से चोरी का एक ट्रैक्टर भी बरामद किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक जिला बारां राज कुमार चौधरी ने बताया कि 17 अप्रेल को रामदयाल पुत्र कन्हैयालाल मीणा निवासी खेड़ी हाल गणपती नगर छबड़ा थाना छबड़ा जिला बारां ने एक रिपोर्ट पेश की कि मैने 15 अप्रेल को मेरा ट्रैक्टर मय ट्रौली के रात्रि के समय मेरे मकान के सामने खड़ा किया था मेने मध्य रात्री में उठकर देखा तो मेरा ट्रेक्टर व ट्रोली मकान के सामने नहीं मिले मेरा ट्रेक्टर व ट्रोली को कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। इस पर पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी के निर्देशन में, राजेश चौधरी अति पुलिस अधीक्षक बारां व विकास

पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

कुमार वृताधिकारी छबड़ा के सुपरविजन में राजेश खटाना थानाधिकारी छबड़ा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। एएसआई जगदीश प्रसाद प्रभारी तकनीकी शाखा बारां से तकनीकी सहायता प्राप्त की गई एवं सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये तो यह तथ्य प्रमाणित हुये कि एक विशिष्ट संगठित अंतरराज्यीय ट्रैक्टर चोर गैंग पूरे जिले में सक्रिय है जो योजनाबद्ध तरीके से विशेष टीम के द्वारा ट्रैक्टर चोरी की कार्यवाही को अंजाम देते है। इन चोरी के ट्रैक्टरों को एम.पी. व यू.पी. में चंबल नदी के मुहाने पर अवैध बजरी खनन में प्रयोग करते हैं।

उक्त गैंग के एक सदस्य को पूर्व में 27 मई 2025 को नाकाबंदी व घेराबंदी कर अभियुक्त ह्रदेश उर्फ पूनम कुशवाह कुशवाह निवासी सावतखेड़ी थाना राधोगढ़ जिला गुना (म.प्र.) को गिरफ्तार कर अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक ट्रैक्टर बरामद किया। उक्त मुल्जिम ने अनुसंधान के दौरान अपने साथी अभिषेक कुशवाह व अन्य के साथ मिलकर 15 अप्रेल को कस्बा छबड़ा से ट्रेक्टर मय ट्रॉली के चोरी करना बताया। इस पर गठित टीम द्वारा मुल्जिम अभिषेक कुशवाह को गिरफ्तार किया गया व मुल्जिम ह्रदेश उर्फ पूनम कुशवाह को जरिये प्रोडेक्शन वारंट के जेल से हिरासत में लेकर अनुसंधान किया गया। वहीं अभियुक्त अभिषेक कुशवाह की निशादेही से ट्रेक्टर को बुधवार को हमीरपुर मप्र. के जंगलों से बरामद किया गया।

सायबर ठगी के दो शातिर ठग भीलवाड़ा से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सायबर पुलिस टीम ने सायबर ठगी की दर्ज रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुए सायबर ठगी के दो शातिर ठगों को भीलवाड़ा से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि फरियादी सलमान ने 27 मार्च को एक रिपोर्ट विज्ञान नगर थाने में दी। रिपोर्ट में कहा कि टेलिग्राम एप पर नौकरी दिलाने के बहाने प्रोडेक्ट रटिंग के नाम पर कान्टेंट स्क्वायर कंपनी का लिंक शेयर कर पैसे कमाने का लालच देकर अलग-अलग बैंक खातों से करीब 20 लाख रूपये ट्रांसफर करवा

- **आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन जप्त किये**

लिये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि ठगों की गिरफ्तारी के लिये सायबर थाने के पुलिस उपअधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन मे सायबर थानाधिकारी सतीश चन्द के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने बैंकों से प्राप्त रिकॉर्ड का विशलेषण कर संदिग्ध वेबसाईट के डोमेन संबधित रिकॉर्ड व सीडीआर का गहन विशलेषण कर आरोपियों की पहचान कर कार्यवाही करते हुए शिव नगर निवासी दानिश खान (20) एवं जिला भीलवाड़ा के रैगर मोहल्ला निवासी मनोज कुमार (25) को भीलवाड़ा से डिटेन कर गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन जप्त किये एवं परिवादी को करीब 2 लाख रूपये की राशि रिफंड करवाई जा चुकी है। मामले में अनुसंधान जारी है।

लव मैरिज प्रकरण : मां व भाई ने जबरन बेटी का अपहरण किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में लव मैरिज के मामले में विवाहिता के अपहरण का मामला सामने आया है। मां, भाई और भाई के दोस्त बेटी की ननद के घर पहुंचे और उसके बाल पकड़कर घसीटते हुए फॉर्च्यूनर गाड़ी में डाल कर ले गए। पीड़ित पति और ननद ने जब विरोध किया तो उनसे भी मारपीट की। दो जून को हुए इस पूरे प्रकरण का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विवाहिता के पीहर वाले उसे जबरन लेकर जाते नजर आ रहे हैं। पति ने विवाहिता की मां, भाई और उसके दोस्तों के खिलाफ मारपीट करने और किडनैपिंग की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं होने पर नाराज पति ने बुधवार को एसपी वंदिता राणा के समक्ष न्याय की गुहार लगाई है।

अजमेर के खाजपुरा निवासी पीड़ित पति संजय ने बताया कि वो और उनकी पत्नी आदर्श नगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। दोनों की छह साल पहले मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच बातचीत के साथ ही मिलना जुलना शुरू हुआ। इसके बाद शादी करने का फैसला लिया। दोनों के परिवार को भी फैसले के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया। पत्नी के परिवार का कहना था कि उनकी बेटी बीटेक है और मैं सिर्फ 12वीं पास हूं। पति संजय ने बताया कि 1

- **अपहरण का वीडियो वायरल, पति ने नामजद मुकदमा दर्ज कराया**
- **पीड़ित पति ने एसपी वंदिता राणा के समक्ष न्याय की गुहार लगाई**

अप्रैल 2025 को आर्य समाज में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद से ही परिवार वाले धमकियां दे रहे थे, जिससे परेशान होकर वह इंदौर चला गया था। पीड़ित की ओर से आदर्श नगर थाने में इसकी शिकायत भी दी गई, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित संजय ने आरोप लगाया कि 1 जून को अजमेर वापस आया, तब अपनी बहन के ससुराल मिलने गया था, साथ में पत्नी भी थी। इसकी भनक पत्नी के घरवालों को लग गई। तब उसकी मां, भाई और उसके साथी फॉर्च्यूनर गाड़ी लेकर आए। वे जबरन पत्नी को बाल पकडकर घसीटते हुए गाड़ी में डालकर ले गए। जब मैंने और मेरी बहन ने विरोध किया तो मारपीट की। मेरी बहन का मोबाइल भी तोड़ दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विवाहिता के पीहर वाले उसे जबरन ले जाते नजर आए है।

पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि पत्नी के अपहरण के बाद वह तुरंत आदर्श नगर थाने पहुंचा, लेकिन उसे रात तक थाने पर ही बैठाए रखा। पति ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया।

आदर्श नगर थाना प्रभारी छोटेलाल ने बताया कि मामले में पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। 2 जून को अपहरण का मामला हुआ और 3 जून को परिवार ने शिकायत दी है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पति ने पत्नी को फॉर्च्यूनर गाड़ी में अपहरण कर ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वहीं पीड़ित पति संजय अपनी बहन के साथ बुधवार सुबह एसपी कार्यालय पहुंचा और एसपी वंदिता राणा का शिकायत दी। पीड़ित ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पीड़ित पति ने बताया कि पत्नी के परिवार वाले लगातार धमकी दे रहे हैं, जिससे उसकी जान का खतरा है। पीड़ित ने बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करता है और उसकी पत्नी बीटेक है, जिसे वह आगे पढ़ाने की तैयारी कर रहा था। शादी के बाद पुलिस ने पत्नी के परिवार को पाबंद किया था, लेकिन फिर भी उन्होंने उसकी पत्नी का अपहरण कर लिया, जिसका वीडियो भी पीड़ित के पास है।

व्यक्ति विशेष के नाम से घोषित तीन नए राजस्व ग्राम की सृजन अधिसूचना निरस्त

जोधपुर, (कासं) । राजस्थान उच्च न्यायालय ने व्यक्ति विशेष के नाम से घोषित तीन नए राजस्व ग्राम की सृजन अधिसूचना को निरस्त किया है। जोधपुर के शेरगढ़ तहसील के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा में से तीन नए ग्राम पृथ्वीराज सिंह नगर, लादानी नगर और हड़मतसिंह नगर बनाये जाने का मामला है। मामले में अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने याची डूंगर सिंह आदि की ओर से पैरवी की। राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता की एकलपीठ से भारी राहत मिली है।

जोधपुर जिले की शेरगढ़ तहसील, पंचायत समिति सेखाला के ग्राम पंचायत ख़िरजा फतेहसिंह के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा निवासी डूंगरसिंह सहित छह अन्य की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने रिट याचिका दायर कर बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी राजस्व ग्राम में आबादी बढ़ जाने और मूलभूत सुविधाओं के सुलभ और नज़दीक उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत परिपत्र जारी कर नये ग्राम बनाये जाने के लिए निर्धारित मापदंड और नियम बना रखे हैं और उसी के अनुरूप समय की जरूरत अनुसार नए राजस्व गाँव प्रस्तावित और सृजित होते रहे हैं। लेकिन राजनीतिक दुर्भावनापूर्वक और राजनैतिक पार्टी के व्यक्ति विशेष को उपकृत करने के एक मात्र उद्देश्य से याचिकाकर्ताओं के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा में से तीन नये ग्राम प्रस्तावित कर दिए गए।

जिस पर याचिकाकर्ताओं सहित सभी ग्रामवासियों ने लिखित में आपत्तियां भी पेश की लेकिन स्थानीय विधायक की विशेष अनुशंषा और दख़लअंदाजी होने से सभी आपत्तियां को दरकिनार करते हुए और अपेक्षित मापदंडों को कंसीडर किए बिना ही व्यक्ति विशेष के पूर्वजों के नाम से तीन नए राजस्व गांव बनाते हुए 10 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी कर दी गयी थी। जिसे पूर्व में रिट याचिका दायर कर चुनौती दी गयी थी। हाइकोर्ट की एकलपीठ ने उक्त अधिसूचना 10.01.2025 को निरस्त करते हुए 18.02.2025 को रिपोर्टेबल निर्णय पारित किया गया।

बावजूद उक्त निर्णय के, राज्य सरकार ने फिर उन्हीं नाम से वापिस तीन नए राजस्व गांव सृजित करने की अधिसूचना 26 मार्च, 2025 जारी कर दी गयी, जिसे वर्तमान रिट याचिका में चुनौती दी गयी। याचीगण की ओर से अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि नियमानुसार नए राजस्व ग्राम के लिए आबादी, चरागाह, सिवायचक जमीन, आबादी जमीन, आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विस्तार इत्यादि के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ही नए राजस्व गांव का सृजन किया जा सकता है लेकिन राजस्व विभाग द्वारा ग्राम ख़िरजा भोजा से तीन नए गांव घोषित करने के लिए जारी की गई अधिसूचना 26 मार्च 2025 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 16 में विहित प्रक्रिया और प्रावधानों के विपरित होकर मात्र राजनैतिक व व्यक्ति विशेष के नाम से होने से गैरवाजिब, गैरकानूनी और अवमाननाजनक भी है। हाइकोर्ट की एकलपीठ द्वारा एक बार अधिसूचना को निरस्त कर देने के बावजूद, पुन: उन्हीं व्यक्ति विशेष के नामों से अधिसूचना जारी करने का राज्य सरकार का कृत्य गैरकानूनी व अवमाननाकारक भी है। प्रकरण के तथ्यों, मामले की परिस्थितियों का अनुशीलन कर और पूर्व न्यायिक दृष्टान्तों से सहमत होते हुए राजस्थान हाइकोर्ट की एकलपीठ ने शेरगढ़ तहसील के मूल ग्राम ख़िरजा भोजा से नवसृजित तीन राजस्व गांव के सर्जन अधिसूचना दिनाँक 26 मार्च 2025 को निरस्त कर दिया। साथ ही जोगाराम बनाम सरकार में पारित पूर्व निर्णय अनुसार राज्य सरकार को नए गांव सृजित करने की छूट रहेगी।

ज्यूस कॉर्नर-रेस्टोरेंट पर कार्रवाई

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के नहर पुलिया स्थित एक ज्यूस कॉर्नर पर सोमवार को चिकित्सा विभाग के खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई की। ज्यूस कॉर्नर पर करीब एक महीने पुराने फल स्टोर किए हुए मिले। वहीं डीप फ्रीज में भी सफाई नहीं मिली। उसके पास ही एक रेस्टोरेंट पर कार्रवाई की, जिसमें काला तेल, पुरानी ग्रेवी मिली। इस पर उन्हें नष्ट करवाया।

डॉ. विकास मारवाल ने कहा कि सरकार के दिशा निर्देश अनुसार अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पाली शहर के नहर पुलिया स्थित ज्योति ज्यूस कॉर्नर पर टीम पहुंची। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी सुरेश शर्मा के नेतृत्व में टीम ने यहां जांच की तो काफी दिन पुराने कटे फल स्टोर किए हुए मिले। इसके साथ ही जिन्हें नष्ट करवाया गया। डी फ्रीज भी गंदा मिला। इसी तरह टीम ने उसके पास स्थित वन बाइट रेस्टोरेंट में भी जांच की। जहां डी फ्रीज में ब्रांडेड कम्पनियों की फंगस लगी आईस्क्रीम मिली। पांच से सात दिन पुरानी ग्रेवी मिली जो बर्गर तैयार करने में उपयोग ली जाती थी। इस पर उसे नष्ट करवाया।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में कार्यरत जिला शिक्षा अधिकारी सस्पेंड

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में कार्यरत जिला शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार ढल्ला को सस्पेंड कर दिया गया है। ढल्ला का मुख्यालय बीकानेर के बजाय झालावाड़ रखा गया है। इस संबंध में राज्य सरकार ने आदेश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार विभागीय पदोन्नति के मुद्दे पर उन्हें सस्पेंड किया गया है।

- **जिला शिक्षा अधिकारी का मुख्यालय बीकानेर के बजाय झालावाड़ रखा गया, राज्य सरकार ने आदेश जारी किए**

बताया जा रहा है कि पिछले दिनों ढल्ला का ट्रांसफर बीकानेर से जोधपुर के लिए किया गया था। इसके बाद अब सस्पेंड कर दिया गया है। सस्पेंड टाइम में मुख्यालय झालावाड़ रखा गया है। पिछले लंबे समय से ढल्ला माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में कार्यरत थे, जहां से उनका तबादला कर दिया गया। तबादले के बाद से ही ढल्ला विदेश गए हुए हैं। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने निलंबन के बारे में जानकारी होने से इनकार किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर नाराजगी जताई थी। ढल्ला ही इस काम को देखते हैं। राज्य सरकार के आदेश के चलते रिव्यू डीपीसी नहीं होने से शिक्षा मंत्री कार्यालय उनसे नाराज रहा। अब उनको निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों शिक्षा मंत्री ने सख्ती दिखाते हुए अर्से से निदेशालय में जमे कई अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया था। इसमें माध्यमिक शिक्षा निदेशक के स्टाफ ऑफिसर अरुण शर्मा का भी बीकानेर से उदयपुर के लिए ट्रांसफर कर दिया गया। वहीं एक अन्य जिला शिक्षा अधिकारी समकक्ष सहायक निदेशक का डेपुटेशन रद्द करते हुए बीकानेर से भेज दिया गया था। इसमें कुछ अधिकारियों ने ज्वाइन किया और किसी ने नहीं किया।

दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर दो अलग-अलग स्थानों पर दो आरोपियों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। नान्ता थाने के उप निरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर घूम रहे व्यक्ति को डिटेन कर तलाशी ली गई। पुलिस टीम ने उसके पास से अवैध चाकू बरामद किया। पुलिस ने नान्ता निवासी अभिषेक यादव (22) को गिरफ्तार कर लिया। नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि थाने के सहायक उपनिरीक्षक शिवराज सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति कोई अवैध हथियार लेकर पत्थर-मंडी यूनियन कार्यालय के समीप काई वारदात करने की फिराक में खड़ा है। मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर मौके पर खड़े व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध बटनदार हथियार चाकू बरामद किया। पुलिस टीम ने मृदुल कुमार को गिरफ्तार किया।

गहलोत सरकार ने बजरी माफिया पैदा किया था : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़

पाली, (नि.सं.)। प्रदेश में बजरी माफिया पैदा करने का काम कांग्रेस के राज में हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राज में इसका श्रीगणेश हुआ। हमारी सरकार ने तो बजरी के ठेके दिए, सरकार बजरी माफिया के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। यह बात बुधवार को पाली में अपने निवास पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कही। उन्होंने कहा कि बजरी माफिया ने इसे बिजनेस बना दिया, जिसे भजनलाल सरकार सुधारने में जुटी है। अभी भी कुछ जगह चोरी-छिपे अवैध बजरी का खनन हो रहा है, इसको लेकर कार्रवाई लगातार की जा रही है। दोषियों को कानूनी रूप से दंडित किया जा रहा है।

- **'हमारी सरकार ने तो बजरी के ठेके दिए, सरकार बजरी माफिया के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है'**
- **सकूर खान 15 साल में 7 बार पाकिस्तान जाकर आया, पूर्व मंत्री को भी ध्यान रखना चाहिए था कि उसका पीए क्या कर रहा है : राठौड़**

उन्होंने कहा कि प्रदेश में नकली खाद को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। हमारे मंत्री खुद मौके पर जा रहे हैं। पंजाब और श्रीगंगानगर के रास्ते में प्रदेशभर में फैल रहे स्मैक, एमडी जैसे नशे को रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारियां की जा रही है ताकि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सके। नशे और अवैध बजरी पर अंकुश लगाना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे पास जादू का डंडा नहीं है। भजनलाल सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है और पुख्ता कार्रवाई के लिए सबूत चाहिए, इसलिए पुलिस सबूत के साथ कार्रवाई कर रही है। बातों से कार्रवाई नहीं होती।

कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के पीए सकूर खान को जासूसी के मामले में गिरफ्तार करने के मामले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि सकूर खान 15 साल में 7 बार पाकिस्तान जाकर आया। कई सूचनाएं दुश्मन देश तक पहुंचाई। पूर्व मंत्री को भी ध्यान रखना चाहिए था कि उसका पीए क्या कर रहा है। उन्होंने उसे पांच साल तक अपने पास कैसे रखा। अब वे जांच में सहयोग करें ताकि पूरा चैनल पकड़ा जा सके, वर्ना ऐसा माना जाएगा कि वे भी कहीं न कहीं दोषी है।

पेयजल समस्या के समाधान के लिए सरकार अलर्ट रोहट क्षेत्र में पेयजल समस्या को लेकर उन्होंने कहा कि वे रोहट क्षेत्र में जाकर आए थे। समस्या को लेकर सरकार अलर्ट मोड पर है और हर घर पानी पहुंचाने के लिए अगर पानी के टैंकर चलाने पड़े तो सरकार वह काम भी करेगी, लेकिन लोगों के घरों तक पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

प्रभारी मंत्री आज झालावाड़ में

झालावाड़। झालावाड़ जिले में 5 से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुनरुद्धार और स्वच्छता के साथ-साथ जन भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी, 5 जून को झालावाड़ के दौरे पर रहेंगे और इस अभियान की शुरुआत करेंगे।

फल-सब्जी विक्रेताओं के चालान काटे

कोटा, (निसं)। प्री-मानसून बरसात के दौरान मंगलवार को भीमगंजमंडी क्षेत्र में जल भराव पर नगर निगम कोटा उत्तर ने सख्त रूख अपनाया है। निगम के स्वास्थ्य अनुभाग की टीम ने बुधवार को फल-सब्जी के अपशिष्ट और अन्य कचरा फेंक कर सब्जीमंडी नाले को जाम कर रहे 23 फल-सब्जी विक्रेताओं के चालान काटे और 45 को चेतावनी दी। वहीं नाले की सफाई के लिए भी जेसीबी लगाई गई। नगर निगम कोटा उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी स्वास्थ्य अनुभाग की टीम को लेकर भीमगंजमंडी से सब्जीमंडी नाले पर पहुंचे।

पूर्व विधायक कामिनी और अन्य के खिलाफ अतिरिक्त अनुसंधान के आदेश

कोतवाली थाना में दर्ज शेयरों को लेकर धोखाधड़ी का मामला, इस मामले में कोतवाली पुलिस ने एफआर लगा दी थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने पूर्व विधायक कामिनी जिंदल व अन्य के खिलाफ कोतवाली थाना में दर्ज शेयरों को लेकर धोखाधड़ी के मामले में कोतवाली पुलिस को अतिरिक्त अनुसंधान के निर्देश दिए हैं। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने एफआर लगा दी थी।

विष्णु अग्रवाल निवासी सादुलशहर की ओर से 26 सितंबर 2023 को कोतवाली थाना में दर्ज करवाई गई एफआईआर में विकास डब्लूएसपी लिमिटेड की चेयरपर्सन विमला देवी, डायरेक्टर कामिनी जिंदल, सीएस रविंद्र गुप्ता, पवन सिंगला, बूटासिंह, बलजिंद्र सिंह, गुंजन कुमार, विकास प्रोपेम्प एंड ग्रेनाइट लिमिटेड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सुमन देवी, अरूण

- **परिवादी ने मामले के अतिरिक्त अनुसंधान के लिए न्यायालय से निवेदन किया था**

सिंगला, पवन सिंगला, मैनेजिंग डायरेक्टर विमला देवी जिंदल, डायरेक्टर कामिनी जिंदल, कंपनी के अन्य कर्मचारी, स्थानीय फ्रेंचाइजी के प्रभारी देवेंद्र मित्तल, एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिडेट कंपनी सचिव, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर को आरोपी बताया गया। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद एफआर लगा दी। अब परिवादी विष्णु अग्रवाल ने मामले के अतिरिक्त अनुसंधान के लिए धारा 193 (9) के तहत न्यायालय से निवेदन किया था।

मामले की जानकारी देते हुए अधिवक्ता जितेंद्र पाराशर ने बताया कि विष्णु अग्रवाल की दादी सरस्वती के नाम से विकास डब्लूएसपी लिमिटेड के 1,79,50,000 इक्विटी शेयर 2011 में लिए गए थे। इसके अलावा विकास प्रोपेम्प एंड ग्रेनाइट लिमिटेड के इक्विटी शेयर भी थे। इनकी वैल्यू 20,86,12,980 रुपए थी। पाराशर ने बताया कि सरस्वती देवी की मृत्यु 2014 में हो गई। इसके बाद 2017 में फर्जी डिक्री के आधार पर शेयर ट्रांसफर किए गए। सरस्वती देवी के विधिक उत्तराधिकारियों द्वारा शेयर्स का बेचान या स्थानांतरण नहीं किया गया था। इसके बाद कंपनी के कार्यालय और एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटी लिमिटेड की श्रीगंगानगर स्थित फ्रेंचाइजी गणपति सिक्योरिटी लिमिटेड के मालिक देवेंद्र मित्तल से संपर्क किया गया लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। सेबी व पीएमओ में शिकायत करने के बाद ई-मेल के माध्यम से पता चला कि इक्विटी शेयर्स का ट्रांसफर न्यायालय के आदेश पर किया गया है।

एडवोकेट पाराशर ने बताया कि न्यायालय के आदेश की नकल का आवेदन करने पर पता चला कि कोई डिग्री आदेश पारित नहीं हुआ। इसे लेकर 2023 में कोतवाली थाना में एफआईआर दर्ज करवाई गई। पुलिस ने सभी तथ्यों की जांच किए बिना एफआर लगा दी। पाराशर ने बताया कि अदालत ने कोतवाली पुलिस को अतिरिक्त अनुसंधान करने के निर्देश दिए हैं।

बैंक मैनेजर ने ग्राहकों के खातों से साढ़े चार करोड़ रुपये चुराकर शेयर मार्केट में लगाए

आईसीआईसीआई बैंक की एक महिला मैनेजर को ग्राहकों के खाते से रुपए चुराने के मामले में गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। शहर के औद्योगिक क्षेत्र के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में स्थित आईसीआईसीआई बैंक की श्रीराम नगर शाखा में ग्राहकों के खातों से साढ़े चार करोड़ से अधिक रूपये धोखाधड़ी से चुराने का मामला सामने आया है। बैंक की पूर्व रिलेशनशिप मैनेजर साक्षी गुप्ता ने इस वारदात को साल 2020 से 2023 के बीच अंजाम दिया। उसने यह पैसा शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कर दिया, लेकिन वहां अधिकांश पैसा डूब गया।

इसकी जानकारी बैंक को उसके ट्रांसफर होने के बाद उस वक्त चली, जब एक ग्राहक अपनी एफडी की जानकारी करने आया। इस पर बैंक ने फरवरी 2025 में उद्योग नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी महिला बैंक की पूर्व

- **बैंक की पूर्व रिलेशनशिप मैनेजर साक्षी गुप्ता ने इस वारदात को साल 2020 से 2023 के बीच अंजाम दिया, 41 ग्राहकों के 110 से अधिक खातों से अवैध रुप से निकासी की**

मैनेजर साक्षी गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार साक्षी गुप्ता ने 40 खातों पर ओवरड्राफ्ट की सुविधा अवैध रूप से शुरू की। 31 ग्राहकों की एफडी समय से पहले मैच्योर कर दी और इसमें से 1 करोड़ 34 लाख 90 हजार 254 रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसी प्रकार साल 2023 में एक बुजुर्ग महिला के खाते से तीन करोड़ से अधिक की निकासी कर ली गई। अधिकतर लेनदेन इंस्टा कियोस्क और डिजिटल बैंकिंग चैनलों से किए। उसने चार ग्राहकों के डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर एटीएम और इंटरनेट बैंकिंग से भी लेनदेन किए। यह सारा पैसा डिमैट अकाउंट में भेज दिया।

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी साक्षी गुप्ता मूल रूप से रावतभाटा की निवासी है। वह विज्ञान नगर इलाके में रहती है। बैंक प्रबंधन ने इस संबंध में 18 फरवरी को मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें बताया गया था कि करीब 41 ग्राहकों के 110 से ज्यादा खातों से निकासी की गई है। साक्षी गुप्ता ने गलत तरीके से रुपए निकालकर शेयर बाजार में लगा दिए। यहां तक कि ग्राहकों के मोबाईल नंबर तक बदल दिए, ताकि ट्रांजेक्शन मैसेज से उन्हें पता नहीं चले। उसने ग्राहकों के डेबिट कार्ड, पिन और ओटीपी के गलत इस्तेमाल कर लेनदेन किए। थानाधिकारी ने बताया कि बैंक ने 4.6 करोड़ की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले में आईसीआईसीआई बैंक की श्रीराम नगर ब्रांच के वर्तमान मैनेजर ने पूर्व मैनेजर साक्षी गुप्ता के खिलाफ शिकायत दी थी। उसने 41 ग्राहकों के 110 से अधिक खातों से अवैध रुप से निकासी कर शेयर मार्केट में इन्वेस्ट किए हैं। पुलिस टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए पूर्व मैनेजर साक्षी गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया।

मैंने क्रिकेट को अलविदा कहने का निर्णय ले लिया है। शायद मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक का था। - **अक्षर पटेल**

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान, रिटायरमेंट के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

केविन पीटरसन

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर केविन पीटरसन ने हाल ही में आईपीएल 2025 के बेहतरीन आयोजन के बाद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर हिन्दी में एक पोस्ट शेयर कर सबका दिल जीत लिया। इस पोस्ट में उन्होंने न सिर्फ आईपीएल से जुड़े लोगों का आभार जताया बल्किन इंडियन आर्मी को भी धन्यवाद कहा, जो उनकी इस पोस्ट का सबसे खास हिस्सा रहा।केविन ने अपनी पोस्ट में लिखा कि, आईपीएल समाप्त होने के साथ ही मैं 2025 के शानदार आयोजन के लिए सभी को बधाई देना चाहता हूं और उनका धन्यवाद करना चाहता हूं।

क्या आप जानते हैं ?... अ

आरसीबी की जीत का जश्न मातम में बदला

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 7 लोगों की मौत

बेंगलुरु, 4 जून। आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद आरसीबी का जश्न बुधवार को एक दुखद हादसे में बदल गया। दरअसल, बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाली आरसीबी की विक्ट्री परेड से पहले भगदड़ मच गई। स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के बीच मची भगदड़ में कई लोगों के मौत की खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि, इस भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो चुकी हैाये हादसा तब हुआ जब हजारों की भीड़ आरसीबी के 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉपी जीतने का जश्न मनाने के लिए स्टेडियम में जाने के लिए उमड़ी थी।बताया जा रहा है कि, जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर और अंदर अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कई लोग कुचले गए और दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस अवसर पर राज्यपाल थावर चंद गहलौत और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी मौजूद रहे। पुलिस सूत्रों के अनुसार अत्याधिक भीड़ होने के

कारण स्थिति तब नियंत्रण से बाहर हुई। बढ़ती भीड़ के बावजूद स्टेडियम के गेट बंद रहे, जिससे एक प्रवेश द्वार के पास भगदड़ हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भगदड़ के दौरान कई लोग गिर गए और कुचले गए। बहुत अधिक भीड़ होने के कारण स्टेडियम के अंदर और आसपास वाहनों की आवाजाही रुक गई। इस दौरान मेट्रो स्टेशन और आस-पास की सड़कें समर्थकों की भीड़ से पट गयी। यातायात पुलिस को बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बहाल करने के लिए काफी मशक्त करनी पड़ रही थी।

भगदड़ में घायल हुये लोगों को शिवाजीनगर के बॉरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि कई पीड़ितों का इलाज चल रहा है, जिनमें से कम से कम दो की हालत गंभीर बनी हुई है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद और अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पहुंच गये है।

ट्रॉफी के साथ रोड शो नहीं होगा, आरसीबी विक्ट्री परेड हुई कैंसिल

बैंगलुरू, 4 जून। 18 साल में पहली बार आरसीबी ने आईपीएल का खिताब जीता है। इसके लिए बेंगलुरु के लोगों को उनके सपोर्ट के लिए विक्टरी परेड के जरिए शुक्रिया अदा करने जा रही है। लेकिन अब बेंगलुरु में विक्टरी परेड नहीं निकलेगी। आरसीबी की विक्टरी परेड को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी आई है। बेंगलुरु में ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए इस परेड को कैंसिल कर दिया गया है। अब टीम सीधे चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचेगी। आरसीबी चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम पहले ओपन बस के जरिए बेंगलुरु की सड़कों पर अपने फैंस के बीच से होकर चिन्नास्वामी पहुंची थी। आरसीबी की ये परेड विधान सौदा से शुरु होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खत्म होनी थी। लेकिन ट्रैफिक एडवाइजरी के चलते अब इसे कैंसिल कर दिया गया है। इसके साथ ही बेंगलुरु के लोगों के लिए विशेष गाइडलाइंस भी जारी की गई हैं। बेंगलुरु में ऐसा नहीं है कि आरसीबी की जीत का जश्न नहीं मनाया जाएगा। टीम के सभी खिलाड़ी सीधे चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचेंगे। इस मैदान पर शाम 5 बजे से बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाया जाएगा। बेंगलुरु पुलिस ने लोगों से अपील की है कि लिमिटेड पार्किंग के चलते लोग मेट्रो या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ही इस्तेमाल करें। इसके साथ ही लोगों से कहा गया है कि जब तक ज्यादा जरूरी काम न हो, तब तक आज बुधवार 4 जून को दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे के बीच सीबीडी की तरफ न जाए, क्योंकि लोगों को इस जगह भारी ट्रैफिक मिल सकता है।

आरसीए बीकानेर जिला सीनियर कॉल्विन शील्ड टीम की ओपन चयन ट्रॉयल आज

पूर्व रणजी खिलाड़ी यूनुस अली कोर्डिनेटर नियुक्त

जयपुर, 4 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी के अनुसार आरसीए के तत्वाधान में आगामी 7 जून से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बीकानेर जिला क्रिकेट संघ टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा ओपन चयन ट्रायल का आयोजन किया जायेगा।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार बीकानेर जिला क्रिकेट संघ की टीम के लिए ओपन चयन ट्रॉयल आरसीए पर्यवेक्षक की उपस्थिति में जिला केन्दो पर आयोजित की जायेगी व टीम का चयन आरसीए द्वारा अधिकृत चयनकर्ता करेंगे।

चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाडियों में से जिला टीम में चुने गए खिलाड़ी ही राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में खेल सकेंगे। आरसीए ने पूर्व रणजी खिलाडी यूनुस अली को बीकानेर जिला कॉल्विन शील्ड क्रिकेट टीम के लिए आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली ओपन चयन ट्रायल हेतु कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। ट्रायल से सम्बंधित सभी कार्यों, सहयोग व जानकारी हेतु यूनुस अली9413397984पर संपर्क करें।

चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :-कंप्यूटर जनरेटेड जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य) बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य) पिछले तीन वर्षों की शिक्षा की अंकतालिका (अनिवार्य) आधार कार्ड / वोटर आईडी / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट। बीकानेर जिला क्रिकेट संघ टीम की ओपन चयन ट्रायलधरणीधर स्टेडियम, बीकानेर,5 जून, सुबह 7 बजे होगी जिसमे चयनकर्ता शैलेन्द्र गहलोत, शमशेर सिंह, पर्यवेक्षक, श्याम सिंह चौहान और आरसीए ने पूर्व रणजी खिलाडी यूनुस अली को बीकानेर जिला कॉल्विन शील्ड क्रिकेट टीम के लिए आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली ओपन चयन ट्रायल हेतु कोर्डिनेटर नियुक्त किया है।

आईपीएल में 100 बल्लेबाजों ने जड़े कुल 1294 छक्के

नई दिल्ली, 4 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र में इस बार 100 बल्लेबाजों ने कुल 1294 छक्के जड़े। इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन 14 मैचों में 40 छक्के लगाकर शीर्ष पर रहे। पंजाब किंग्स के श्रेयस अय्यर 17 मैचों में 39 छक्के लगाकर दूसरे, मुम्बई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव 16 मैचों में 38 छक्कों के साथ तीसरे और लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श 37 छक्कों के साथ चौथे, पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह 17 मैचों में 30 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 28 छक्के जड़े। राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल इन टूर्नामेंट में इस सत्र में 14 पारियो में 28 छक्के लगाये। वह तालिका में सातवें स्थान पर रहे। राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग ने 14 पारियों में 27 छक्के जड़े। सनराइजर्स हैदरबाद के हेनरिक क्लासेन ने 14 मैचों की 13 पारियों में 25 छक्कों के साथ नौवें स्थान पर तथा पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य 17 मैचों में 25 छक्कों के साथ दसवें स्थान पर रहे। इस बार के आईपीएल में 100 खिलाड़ियों ने 1294 छक्के और 2245 चौके जड़े।

इंग्लैंड ने एकदिवसीय सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सफाया

द ओवल (इंग्लैंड), 4 जून। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धित से 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है। केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ (41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिये। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले। इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट

की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया। जो रूट (44) का शमारा जोसेफ ने शिकार किया।

अल्काराज, स्वियातेक और सबालेंका, ग्रॉफ फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

पेरिस, 4 जून। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने बुधवार को अमेरिका के टॉमी पॉल को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गये है। वहीं महिला वर्ग में पोलैंड की स्टार इगा स्वियातेक, विश्व की नवंबर वन टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और अमेरिका की कोको गॉफ ने भी टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली हैं। स्पेन के दिग्गज अल्काराज ने टॉमी पॉल पर एक घंटा 34 मिनट तक चले मुकाबले में 6-0, 6-1, 6-4 से शानदार जीत दर्ज रोलांड-गैरोस में लगातार तीसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में अल्कराज का सामना इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा। इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने फ्रेंच ओपन में अमेरिका को टियाफो को 6-2,4-6, 7-5, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मुसेटी ने पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वहीं महिला वर्ग में पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 6-1, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में स्वियातेक का मुकाबला बेलारुस की आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने चीन की किनवेन झेंग को 7-6, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की है।

राजधानी

'जल संरक्षण की दिशा में क्रांतिकारी कदम साबित होगा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'

बैठक में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की, अभियान को जन-जन का अभियान बनाने का किया आव्हान

जयपुर, । राज्य सरकार भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य के लिए राज्य सरकार ने विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगादशमी के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाने का ऐतिहासिक एवं भागीरथी फैसला लिया है। अभियान में समाज के सभी वर्गों को जोड़कर सर्वस्पर्शी बनाने का प्रयास किया जाएगा और इस प्रकार जल संरक्षण की दिशा में यह अभियान निर्णायक एवं क्रांतिकारी साबित होगा। यह कहना है जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का।

प्रेस वार्ता में मीडिया से रूबरू हुए जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल।

जोगाराम पटेल ने यह बात बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को हमारी परम्परा और संस्कृति से जोड़ते हुए वंदे गंगा कलश यात्रा तथा जलाशयों पर पूजन कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी।

उन्होंने कहा कि जन-जन की भागीदारी से ही अभियान जन आंदोलन का रूप ले सकेगा। अभियान जल संरक्षण के माध्यम से राज्य को जल स्वावलम्बी बनाने के लिए चलाया जा रहा है। इससे व्यापक जन को जोड़ने की आवश्यकता है। यह अभियान में समाज के सभी वर्गों को जोड़कर सर्वस्पर्शी बनाने का प्रयास किया जाएगा। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अभियान के तहत जयपुर के विभिन्न जिलों में स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप भामाशाहों, उद्यिमयों, प्रवासियों एवं खनन से जुड़े व्यक्तियों के सहयोग से कार्य कराए जाएंगे। खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता से वृक्षारोपण करते हुए जिले के समस्त जल स्त्रोतों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समस्त जल स्त्रोतों की आवश्यक मरम्मत करवाने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि जल स्त्रोतों पर अतिक्रमण नहीं हो। अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी के लिए जन प्रतिनिधियों, धर्म गुरुओं, राजीविका से जुड़ी महिलाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जल संरक्षण की अपील करवाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

इस दौरान प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने जयपुर जिला प्रशासन द्वारा संचालित रास्ता खोलो अभियान, सक्षम जयपुर अभियान, नशा मुक्त जयपुर अभियान लाडेसर अभियान के तहत जयपुर जिले में हुई कार्यों की प्रगति से रूबरू करवाया। साथ ही उन्होंने जयपुर जिला प्रशासन के नवाचारों की सराहना की और उन्हें राज्य स्तर पर अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल एवं जिला प्रभारी सचिव श्रेया गुहा ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के पोस्टर, जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण मार्गदर्शिका- 2025, फ्लैगशिप

■ **प्रभारी मंत्री ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक**

योजनाएं-2025 एवं जयपुर सतत विकास लक्ष्य सूचकांक-2025 का विमोचन भी किया। इससे पहले प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला अधिकारियों की बैठक ली। जयपुर जिले की प्रभारी सचिव श्रेया गुहा की मौजूदगी में आयोजित समीक्षा बैठक में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की तैयारियों, बजट घोषणाओं एवं सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जानकारी दी कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज वन विभाग, जल संसाधन एवं अन्य विभागों के 56.49 करोड़ की लागत के 1778 कार्यों का लोकार्पण एवं अवलोकन किया जावेगा। शहरी क्षेत्र में गलता जी तीर्थ, जग्गा की बावडी, खनिया की बावडी एवं अन्य महव्वपूर्ण स्थानों पर श्रमदान, पौधारोपण तथा साफ सफाई का आयोजन किया जावेगा। साथ ही, विभिन्न विभागों के करीब 99 करोड की कुल 1 हजार 949 कार्यों का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया जायेगा। अभियान के तहत 1 हजार 500 राजस्व गांवो में पोधारोपण का कार्य भी किया जावेगा।

प्रभारी मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समस्त तैयारियां सुनिश्चित करने सहित बजट घोषणाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन और फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचाने के निर्देश दिये।

बैठक में आयुक्त नगर निगम जयपुर रुकमणी रियार, आयुक्त नगर निगम जयपुर हैरिटेज अरुण कुमार हसिजा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) श्री संतोष मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दूदू) गोपाल परिहार सहित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों ने शिरकत की।

ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन प्रकरणों की सुनवाई खण्डपीठ करेंगी

जयपुर, । राजस्थान हाईकोर्ट ने ठाम पंचायतों के पुनर्गठन को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए डिवीजन बैंच के सुपुर्द कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश करौली जिले के राजस्व गांव सिंघनिया और फरकपुर के निवासियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि दोनों राजस्व गांव वर्तमान में ग्राम पंचायत कंचनपुर में आते हैं। अब इन गांवों को ठाम पंचायत कंचनपुर से अलग नई ठाम पंचायत भोजपुर शामिल कर दिया गया है। दोनों राजस्व गांवों के लिए कोई सीधा रास्ता भी नहीं है और उनकी दूरी भी मुख्यालय से करीब बीसकिलोमीटर है।

याचिका में कहा गया कि पंचायती राज विभाग की गत 13 फरवरी के परिपत्र के अनुसार नई

■ **हाईकोर्ट न्यायाधीश ने जनसुनवाई में प्रकरण को खण्डपीठ में सुनवायी के योग्य माना**

पंचायत में शामिल होने वाले सभी स्थानों की सीमा मिलना जरूरी है। जबकि प्रकरण में इस परिपत्र की भी अवहेलना हुई है। तहसीलदार और एसडीओ ने कलेक्टर को भेजी अपनी रिपोर्ट में माना है कि नई प्रस्तावित ठाम पंचायत की अधिकांश भूमि वन विभाग के अधीन आती है। ऐसे में यहां जरूरी प्रशासनिक भवनों के लिए जमीन उपलब्ध नहीं हो पाएगी। याचिका सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने प्रकरण को खंडपीठ में सुनवाई योग्य मानकर उसे वहां भेज दिया।

दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल का कारावास व दो लाख का जुर्माना

जयपुर, (कासं)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने और विवाह के बाद उसके पति को मारने की धमकी देकर कई बार संबंध बनाने वाले अभियुक्त श्याम उर्फ साहब सिंह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने 16 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म कर न केवल उसे मानसिक पीड़ा पहुंचाई, बल्कि इसके चलते वह अवसाद में भी चली गई। अभियुक्त के इस गंभीर कृत्य को लेकर उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने 19 जनवरी, 2022 को चंदवाजी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि जब पीड़िता स्कूल में पढ़ती थी तब स्कूल के रास्ते में ठेला लगाने वाला अभियुक्त उसके साथ छेड़खानी करता था। वहीं बाद में उसकी झूठी अफवाह फैलाने की धमकी देकर बात करने के लिए दबाव डाला। साल 2020 में वह निजी कॉलेज में काम करने लगी।

एसीएस सावंत की चिट्ठी के 6 दिन बाद भी एक्सईएन कूकना को रिलीव नहीं कर रहा जेडीए प्रशासन!

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आदेश और ट्रांसफर के 5 माह बाद भी अधिशासी अभियंता दिनेश कूकना जेडीए की कुर्सी पर जमे हुए हैं। उनकी इस मनमर्जी में जलदाय विभाग और जेडीए के अफसर पूरा साथ दे रहे है। यह आरोप इसलिए लग रहे हैं क्योंकि गत 27 मई को अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने जयपुर विकास प्राधिकरण कमिश्नर आनंदी को पत्र लिखा और ट्रांसफर आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए आग्रह किया था।

सावंत ने पत्र में लिखा कि, जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर लगे हुए अधिशासी अभियंता दिनेश कूकना का तबादला 15 जनवरी को जलदाय विभाग ने अधिशाषी अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) जयपुर के पद पर किया था, लेकिन कूकना ने आज तक वहां पदभार नहीं संभाला है। ठीष्म ऋतु में पेयजल वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए विभागीय आवश्यकताओं के मध्य नजर दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर नवीन पदस्थापन स्थान पर कार्य ठाहण किए जाने हेतु निर्देशित करने का श्रम करावे। ताज्जुब की बात यह है कि जलदाय महकमें के अतिरिक्त मुख्य सचिव के इस पत्र के 6 दिन बाद भी जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने दिनेश कूकना को रिलीव नहीं किया। इससे पहले सावंत ने इस 15 मई को जलदाय विभाग के संयुक्त शासन सचिव प्रथम प्रवीण कुमार लेखरा को निर्देश दिए थे कि दिनेश कूकना को तुरंत जलदाय विभाग जॉइन कराया जाए। परंतु इस आदेश के 15 दिन बाद भी न तो दिनेश कूकना ने जेडीए की कुर्सी छोड़ी और ना ही जलदाय विभाग ने उनके खिलाफ कोई एक्शन लिया। उधर संयुक्त शासन सचिव प्रवीण कुमार लेखरा ने एसीएस के आदेश की पालना करवाने के बजाय इस मामले को इधर उधर टरकाकर लीपापोती की कोशिश की। उन्होंने मुख्य अभियंता और अतिरिक्त सचिव संदीप शर्मा को पत्र लिखकर एसीएस के आदेश की पालना करवाने के लिए कहते हुए मामला टालने की कोशिश की, जिसके जवाब में अब संदीप शर्मा ने वापस लेखरा को पत्र लिख कर कहा है कि, यह कार्रवाई आपके स्तर पर होनी है, मेरे नहीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल आज वंदे गंगा जल संरक्षण आंदोलन का शुभारंभ करेंगे

वे जमवारामगढ़ में वृक्षारोपण व श्रमदान, केशोरायपाटन में जल पूजन व भरतपुर में गंगा मंदिर में विशेष पूजा करेंगे

जयपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशभर में "वंदे गंगा जल संरक्षण" जन अभियान की महत्वपूर्ण पहल की है। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा (5 जून) के शुभ संयोग पर शुरू होने जा रहे इस अभियान के अंतर्गत, 20 जून तक विभिन्न विभागों द्वारा प्रदेशभर में जल संरक्षण के व्यापक कार्य किए जाएंगे। इस अभियान के सफल संचालन के लिए प्रदेश के 41 जिलों में मंत्रियों को नियोजित किया गया है।

अभियान के पहले दिन 5 जून को प्रदेशभर में विभिन्न विभागों द्वारा नर्सरियों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौध वितरण, प्लास्टिक का उपयोग कम करने की शपथ, श्रमदान, जल स्रोतों की साफ-सफाई व मरम्मत, वंदे गंगा कलश यात्रा, नदी-बांध-सरोवर का पूजन एवं हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधरोपण की तैयारी के साथ-साथ कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन एवं स्वीकृति जैसे प्रमुख कार्य किए जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री जयपुर के जमवारामगढ में वृक्षारोपण करेंगे। वहीं, मोरी के निकट, रामगढ़ बांध पर श्रमदान करेंगे। इसके बाद वे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- अभियान के पहले दिन नर्सरियों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौधा वितरण, प्लास्टिक उपयोग कम करने की शपथ, श्रमदान, जल स्रोतों की सफाई, वंदे गंगा कलश यात्रा, नदी-सरोवर-बाँध पूजन तथा पौधारोपण के कार्यक्रम होंगे।

कार्यक्रम के बाद, मुख्यमंत्री बूंदी के लिए रवाना होंगे, जहां वे केशोरायपाटन में मुख्यमंत्री 'वंदे गंगा' जल पूजन, चुनरी महोत्सव एवं कलश पूजन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और समारोह में जल स्वावलंबन अभियान 2.1 के अंतर्गत, बूंदी जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री केशवराय भगवान मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। उसके बाद शाम को भरतपुर पहुंचेंगे, जहां वे गंगा मंदिर में विशेष पूजा और सुजानगंगा में दीपदान करेंगे।

निर्जला एकादशी (6 जून) के दिन रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड आदि सार्वजनिक स्थानों पर वंदे गंगा जल सेवा, जल परीक्षण अभियान, जलाशयों से गाद निकालना एवं पशु-पक्षियों के लिए पीने के साफ पानी की व्यवस्था के संबंध में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सात जून को अभियान पर संगोष्ठियां तथा 8 जून को ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में वॉर्ड स्तर पर वंदे गंगा प्रभात फेरी और जागरूकता अभियान रैली आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी की केन्द्र सरकार 9 जून को 11 साल पूरे कर रही है। इस दिन प्रदेश में नवीन अमृत सरोवर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

भगदड़ में मारे गए लोगों को 10 लाख रु. की सहायता घोषित

बेंगलुरु, 04 जून। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार को हुई भगदड़ में 11 लोगों के मरने की पुष्टि की है। हादसे में 33 अन्य घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल जीत के जश्न के लिए भारी भीड़ उमड़ी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों में से प्रत्येक के परिवारों के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। सिद्दारमैया ने यहां कहा, किसी ने भी इसकी उम्मीद नहीं की थी। न तो क्रिकेट एसोसिएशन और न ही सरकार ने इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद की थी। स्टेडियम में केवल 35,000 लोगों की क्षमता है, लेकिन दो से तीन लाख से अधिक प्रशंसक आए।

प्रदेशवासी पर्यावरण अभियानों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें

जयपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा की पूर्व संध्या पर वीडियो के माध्यम से प्रदेशवासियों के नाम संदेश दिया है।

उन्होंने संदेश में 5 जून से प्रारंभ हो रहे 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने का आ ान किया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी जल संरक्षण परंपराओं की वजह से पूरे देश-दुनिया में पहचान रखता है। दौसा की चांद बावडी से लेकर थार में बनाए जाने वाले टांके प्रदेश की समृद्ध जल संरक्षण परंपरा के प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने रहीमदास

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा पर प्रदेशवासियों के नाम संदेश दिया।

जी के प्रसिद्ध दोहे 'रहिमन पानी राखिए....बिन पानी सब सून.....' का उल्लेख करते हुए कहा कि 5 जून को हम हर वर्ष की तरह विश्व पर्यावरण दिवस मनाने जा रहे हैं।

संयोग से इस दिन गंगा दशहरा भी है और इसके अगले दिन निर्जला एकादशी है।

उन्होंने कहा कि यह संयोग हम सभी को पानी की महत्ता की याद दिला कर जल संरक्षण पर विशेष रुप से ध्यान देने की ओर इशारा कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रदेशवासियों के अपने अभियान हैं, इनमें सहभागिता निभाते हुए गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जलस्त्रोत, नदियों, जलधाराओं, तालाबों की पूजा-अर्चना करें।

साथ ही, बावडियों, तालाबों, कुंओं, बांधों, नदियों के संरक्षण एवं सफाई आदि में बढ़-चढ़ कर योगदान दें। शर्मा ने कहा कि इस वर्षा काल में 10 करोड पौधे लगाकर हरित राजस्थान अभियान को गति देकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएं।

छः जून को प्र.मंत्री चिनाब रेलवे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जवाब माना जाता है।

यह पुल यूएसबीआरएल परियोजना का केन्द्र है, यह 272 किमी लंबा रेल कॉरिडोर दुनिया के भूगर्भीय दृष्टि से सबसे जटिल क्षेत्रों में से एक से होकर गुजरता है। इस परियोजना में 943 से अधिक पुल और 36 प्रमुख सुरंगें हैं, जिनमें भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग (टी-50) शामिल है जो 12.77 किमी लंबी है। यह 42,000 करोड़ की इस परियोजना का लक्ष्य पूरे साल, तेज और विश्वसनीय तरीके से कश्मीर को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़े रखना है।

यह कनैक्टिविटी इससे ज्यादा बेहतर समय पर नहीं आ सकती थी। अप्रैल में पहलगाम के बैसारन घाटी में हुए आतंकवादी हमले में 25 पर्यटकों सहित 26 लोग मारे गए, जिससे इस साल की रिकॉर्ड तोड़ने वाली पर्यटक संख्या पर अचानक विराम लग गया। कश्मीर ऐसा क्षेत्र है जो पर्यटन पर आधारित गुलमर्ग की सुंदरता, डल झील का आकर्षण, और अमरनाथ और वैष्णो देवी इसके प्रमुख आकर्षण है। इस राज्य तक स्थिर और सुरक्षित पहुंच कोई विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

चेनाब पुल और जल्द शुरू होने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस एक मजबूत संदेश देती हैं:

- इस रेल लिंक के उद्घाटन से पहले कश्मीर में पर्यटन ज्यादा से ज्यादा ग्रीष्मऋतु तक सीमित रहता था तथा मौसम के मिजाज़ पर निर्भर था। अब इस लिंक के बाद पर्यटन साल भर चलने वाली गतिविधि बनेगी तथा कश्मीर के उत्पाद, जैसे, सेब एक दिन में दिल्ली के मार्केट में पहुँच सकेंगे, बिकने के लिए।
- भारत सरकार का नारा,"जनता को जोड़ो, क्षेत्र को खोलो" तथा "विकास को आने दो", के लिए यह "टैस्ट केस" है।

विकास को हिंसा के द्वारा रोका नहीं जा सकता। वंदे भारत ट्रेन को खासतौर पर इस क्षेत्र की जलवायु के अनुसार तैयार किया गया है - इसमें हीटिंग पैड और सेंसर लगे हैं ताकि सर्दियों में बर्फ जमने से बचा जा सके। इससे सर्दियों में जब यह क्षेत्र शेष विश्व से कट जाता है, यात्रा तेज़, आरामदायक और सुरक्षित होगी।

अब तक सीमित हवाई संपर्क और मौसम-आधारित सड़कों के कारण पर्यटन मौसम पर निर्भर और अनिश्चित रहता था।

लेकिन अब प्रत्यक्ष रेल संपर्क से पर्यटक आसानी से श्रीनगर पहुँच सकेंगे, जिससे मुख्यधारा के पर्यटन के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे पूरे साल पर्यटन को स्थिरता मिल सकती है।

बेहतर संपर्क केवल पर्यटक ही नहीं लाता, बल्कि यह रोजगार, आय और आशा भी लाता है। स्थानीय व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, होटल मालिक और हस्तशिल्प कारीगर इससे भारी लाभ कमा सकते हैं। यह रेल लाइन कश्मीरी सेब उत्पादकों के लिए भी वरदान साबित होगी - अब सेब एक दिन में ही दिल्ली के बाजारों तक पहुँच सकेंगे, साथ ही घाटी को आवश्यक वस्तुओं और दवाइयों की आपूर्ति भी सुनिश्चित हो सकेगी।

पिछले दो वर्षों में कश्मीर में पर्यटन ने फिर से गति पकड़ी थी, और अप्रैल की त्रासदी से पहले रिकॉर्ड पर्यटक आ रहे थे। इस गति को थमने नहीं देना चाहिए।

पुल और ट्रेन सेवा सरकार की "आतंकवाद के बदले विकास" नीति को मूर्त रूप देते हैं। इससे यह संदेश जाता है: लोगों को जोड़ो, क्षेत्र को खोलो और विकास को अंदर आने दो।

चेनाब पुल सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि संघर्ष और पुनर्निर्माण का प्रतीक है। यह कश्मीरियों और संभावित पर्यटकों दोनों को यह विश्वास दिलाता है कि सामान्य स्थिति कोई सपना नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वास्तविकता है। यह एक ऐसा कदम है जो सुनिश्चित करता है कि घाटी के भविष्य को भय से परिभाषित न किया जाए।

'अमेरिका की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीएम मोदी और विदेश मंत्री इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप हैं, जिसके चलते भारतीय छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि विदेश मंत्रालय के अनुसार, साल 2024 में लगभग 3,37,630 भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी कॉलेजों में जितने विदेशी छात्र हैं, उनमें से एक-तिहाई भारत से हैं। इसका मतलब है कि करीब साढ़े तीन लाख भारतीय परिवारों ने अपनी मेहनत की कमाई या लोन लेकर अपने बच्चों की अमेरिका में पढ़ ाई के लिए खर्च किया है।

बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे।" पत्र आगे कहता है कि रिकॉर्ड पर आ चुके मामले की गंभीरता के बावजूद, अब तक न तो कोई एफआईआर दर्ज हुई है और न ही अधिकृत जाब्ते या पंचनामे की कार्यवाही की गई है। यह निष्क्रियता जाँच प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है।

बीएलए ने अपने पत्र में 1991 के के. वीरास्वामी बनाम भारतीय संघ केस में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया था कि न्यायाधीश भी पीसी एक्ट के तहत "लोक सेवक" हैं और भारत के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति से उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

बीएलए ने यह भी आग्रह किया है कि 3 मई को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंपी गई इन-हाउस समिति की रिपोर्ट, जिसमें न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप बताए गए हैं, सार्वजनिक की जाए।

8 मई को सुप्रीम कोर्ट की प्रेस विज्ञप्त में बताया गया था कि यह रिपोर्ट और न्यायमूर्ति वर्मा का 6 मई का उत्तर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया गया है।

बीएलए ने जस्टिस वर्मा के अभियोजन की शुरुआत के लिए सीजेआई की स्वीकृति की माँग करते हुये, इस बात को रेखांकित किया है कि कानून के समक्ष सभी बराबर हैं तथा संस्थागत जवाबदेही जरुरी है।

इधर उच्चस्तरीय सरकारी सूत्रों ने बताया कि केन्द्र सरकार उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद उन पर ये आरोप लगे हैं।

किसी वर्तमान न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भारत के संवैधानिक ढांचे की सबसे दुर्लभ और संवेदनशील प्रक्रियाओं में से एक है।

सूत्रों के अनुसार, संसद के आगामी सत्र में उन्हें पद से हटाने (महाभियोग) के लिए प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू इस प्रस्ताव को

- दूसरी ओर चर्चाओं के अनुसार, सरकार आगामी सत्र में न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ महाअभियोग का प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है तथा संसदीय मामलों के मंत्री विपक्ष के नेताओं से इस संबंध में बातचीत कर रहे हैं। विधि मंत्री अर्जुन मेघवाल भी इस संबंध में गृह मंत्री अमित शाह से मिले और फिर दोनों प्र.मंत्री से मिलने गये, बुधवार रात को। राज्यसभा के नेता जे.पी. नड्डा भी गृह मंत्री शाह से मिले, फिर दोनों सभापति, जगदीप धनखड़ से मिलने गये।

सदन में लाने से पहले सभी राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श करेंगे।

सूत्रों का कहना है कि चूंकि न्यायाधीश को हटाने के लिए संविधान में एक विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है, इसलिए सभी दलों की सहमति अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

बुधवार को कई महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें संभवत: इस प्रस्ताव को लेकर रणनीति तैयार की गई।

सबसे पहले कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके थोड़ी देर बाद शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की।

थोड़ी देर बाद राज्यसभा में पार्टी के नेता जे.पी. नड्डा ने शाह से मुलाकात की। इसके बाद दोनों नेताओं ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। पूर्व में दिल्ली हाई कोर्ट में कार्यरत रहे जस्टिस वर्मा उस समय विवादों में आए जब दिल्ली के 30 तुगलक क्रेसेंट स्थित उनके सरकारी आवास पर लगी आग के बाद, कथित रूप से बड़ी मात्रा में बेहिसाब अधजली नकदी बरामद हुई।

बैंगलूरु में आईपीएल की जीत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना भी शामिल है। लेकिन, हम युवा एवं उत्साही भीड़ पर लाठियों का प्रयोग भी नहीं कर सकते थे।"

आरसीबी टीम ने मंगलवार को ट्राफी जीती और टीम बुधवार को दोपहर बाद एचएएल हवाई अड्डे पर उतरी थी तथा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से भेंट करने के लिए विधानसभा की ओर रवाना हुई थी।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने हवाई अड्डे पर रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली इस टीम का स्वागत किया था।

इसी बीच, ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहे विज़ुअल्स में दिखाई दिया कि पुलिस के जवान घायलों तथा बेहोश लोगों को पड़ोस के अस्पताल ले जा रहे हैं। चिन्नस्वामी स्टेडियम के नज़दीक स्थित क्यूबन पार्क मेट्रो स्टेशन के प्रवेश एवं निकासी द्वारा बंद कर दिये गये थे।

कर्नाटक के मुख्य विपक्षी दल, भाजपा ने इस दुखद घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने अपने अधिकृत "एक्स" हैंडल पर ट्वीट किया कि "सात लोग मर गये। कांग्रेस सरकार की गैर जिम्मेदारी के कारण हुई भगदड़ के बाद, अन्य बहुत से लोग जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भीड़-नियंत्रण के कोई उपाय नहीं किये गये। मूलभूत व्यवस्थाएं तक नहीं थीं। अव्यवस्था ही अव्यवस्था थी। जहाँ निर्दोष लोग मर रहे थे, वहीं मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री क्रिकेटरों के साथ रीलों की शूटिंग तथा लाइमलाइट में आने में व्यस्त थे। फोटो खिंचवाने के अवसरों की ताक में रहने वाली, इस कांग्रेस सरकार को धिक्कार है। यह एक आपराधिक लापरवाही है। कांग्रेस सरकार के हाथ खून में रँगे हुये हैं।"

इस दुखद घटना की विस्तृत जानकारी तथा उसके बाद उठाये गये कदमों की रिपोर्टों की प्रतीक्षा है।

भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभारियों की नियुक्ति वेणुगोपाल ने की है या वे सीधे उन्हीं को रिपोर्ट करते हैं तथा उनसे ही निर्देश प्राप्त करते हैं।

इनमें जयराम रमेश, दीपा दास मुंशी, अविनाश पांडे, हरीश चौधरी, देवेंद्र यादव कई अन्य नेता शामिल हैं।

पार्टी में आम धारणा यह बन गई है कि अगर पार्टी में किसी को टिकना है तो यह वेणुगोपाल के आशीर्वाद से ही हो सकता है, जो राहुल गांधी के "आंख, कान और सब कुछ" हैं।

दिलचस्प बात यह है कि अविनाश पांडे को प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया था, लेकिन कुछ दिन बाद, उन्होंने खेमा बदल लिया और अब वे के सी वेणुगोपाल को ही रिपोर्ट करते हैं। उत्तर प्रदेश में अब चुनाव में मात्र डेढ साल बचा है और पार्टी का संगठन बिखरा हुआ है।

राजस्थान प्रभारी रंधावा, जिन्हें हटाया जाना था, वेणुगोपाल के खेमे में शामिल हो गये, और इसलिये उन्हें बचा लिया गया। अब रंधावा भी उसी गुट का हिस्सा हैं जो वेणुगोपाल को रिपोर्ट करता है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थक-हार कर, वेणुगोपाल के जरिए ही पार्टी में वापसी की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने पहले गांधी परिवार और सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की

- वस्तुस्थिति यह है कि एआईसीसी के अधिकांश पदाधिकारी व राज्यों के प्रभारी, वर्तमान में वेणुगोपाल के प्रति वफादारी रखते हैं, क्योंकि, वे सब वेणुगोपाल द्वारा नियुक्त किये गये हैं या उनकी जवाबदेही वेणुगोपाल से है तथा वेणुगोपाल से निर्देश लेकर ही काम करते हैं। इनमें प्रमुख हैं, जयराम रमेश, दीपा दास मुंशी, अविनाश पाण्डेय, हरीश चौधरी, देवेन्द्र यादव आदि।
- बघेल जो पंजाब के प्रभारी हैं, भी इसी क्रम में, वेणुगोपाल के समक्ष आत्मसर्मपण कर चुके हैं। अतः वे पंजाब के किसी भी मुद्दे पर, कोई "स्टैण्ड" नहीं लेते, केवल वो ही करते हैं, जो वेणुगोपाल चाहते हैं। राजस्थान के प्रभारी रंधावा, पंजाब के वरिष्ठ नेतागण, जैसे राजा वडिंग, प्रताप सिंह बाजवा आदि भी वेणुगोपाल के खेमे में हैं और उन्हें वेणुगोपाल का संरक्षण प्राप्त है।
- हालांकि, ये नेता आम आदमी पार्टी व भाजपा के हाथ में कठपुतली हैं तथा कांग्रेस संगठन पंजाब में धरातल में धंसता जा रहा है। पंजाब के प्रभारी बघेल कुछ भी हस्तक्षेप करने की इच्छा नहीं दिखा रहे, केवल वेणुगोपाल की ओर देख रहे हैं, उनका आदेश जानने के लिए।

थी, इसलिए अब गहलोत की वापसी के लिये राहुल गांधी को मनाना वेणुगोपाल के लिए भी कठिन हो रहा है।

अंबिका सोनी भी गहलोत का समर्थन कर रही हैं, लेकिन वे भी कोई खास असर नहीं डाल पा रही हैं, भले ही सोनिया गांधी उनकी बातों को तवज्जो देती हैं।

एआईसीसी में कुछ नेतागण तो वेणुगोपाल का हुकुम मानने के लिये इसलिये बाध्य हैं कि उन्हें पार्टी में बने रहना है, जबकि कुछ लोग ऐसा इसलिये करते हैं क्योंकि उन्हें पार्टी में आगे बढ़ना है तथा अपने लक्ष्य एवं आकांक्षाएं हासिल करनी हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा "अगर भूपेश बघेल जैसा प्रियंका गांधी का वफादार नेता भी अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए खेमे बदल सकता है, तो यह इस बात का पर्याप्त संकेत है कि एआईसीसी के परिसर में किस तरह की सत्ता की राजनीति चल रही है।"

समझा जाता है कि बघेल की ओबीसी पहचान, पूर्व मुख्यमंत्री होने और एक 'प्रेज़ेंटेबल चेहरा' होने की वजह से वे राहुल गांधी की सोच के मुताबिक़ नेताओं की उस सूची के लिये उपयुक्त हैं, जिन्हें पदोन्नत किया जाना चाहिये।

जहाँ तक उनके खिलाफ मुकदमे होने तथा एन्फोर्समेन्ट डायरेक्ट्रेट (ईडी) द्वारा उनके पास सम्मन भेजे जाने का प्रश्न है, ये बातें कोई खास महत्व नहीं रखतीं, क्योंकि ईडी ने गांधी परिवार को भी सम्मन भेजे हैं तथा पूछताछ की है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अब मैदान सबके लिये बराबर एवं समान है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908